हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 24, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 जुलाई, 2022 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी : 80 हजार राशन कोटे की दुकानें जनसेवा केंद्र के रूप में करेंगी कार्य

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया योजना का शुभारंभ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सरकार एवं सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विस इंडिया लि. के मध्य एमओयू और उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि के संबंध में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदेश के सभी कोटेदारों को इस कार्यक्रम का भागीदार बनाने के लिए पूरे प्रदेश में इसका सीधा प्रसारण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में राशन कोटे की दुकानों पर जनता को अब स्टांप बिक्री, बैंकिंग सेवा, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा देश में यूपी अकेला ऐसा राज्य है जहां राशन वितरण की व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है। कई राशन कार्ड धारक ऐसे हैं जो दूसरे राज्य में रहते हैं और प्रदेश में राशन प्राप्त करते हैं। सीएम योगी ने कहा पहले कोटेदारों को लाभांश के रूप में 70 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान किया जाता था अब इसे बढ़ाकर 90 रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कभी तकनीक बढ़ाने का कुछ कोटेदारों ने विरोध

किया था पर आज वो सरकार के साथ इसी तकनीक से जुड़े हैं और विकास की ओर अग्रसर हैं। उत्तर प्रदेश की करीब 80 हजार कोटे की दुकानों को लोगों की सुविधा के लिए जनसेवा केंद्र (सीएससी) के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गोरखपुर योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम के जरिए प्रदेश के कोटेदारों को उपहार देंगे। इसके साथ ही सभी कोटेदारों के लाभांश में 20 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि भी की जाएगी। खाद्य एवं रसद विभाग और केंद्र सरकार की कामन सर्विस सेंटर अथारिटी के बीच अनुबंध हुआ है। खाद्य एवं रसद विभाग ने राशन की दुकानों को जनसुविधा केंद्र के रूप में भी संचालित करने के लिए इसे अपनी 100 दिवसीय कार्ययोजना में शामिल किया था। प्रदेश में उचित दर की लगभग 80 हजार दुकानों को जनसुविधा केंद्र के रूप में संचालित करने के दो फायदे होंगे। एक तो यह कि जनसुविधाओं के एवज में नागरिकों की ओर से भुगतान किए जाने वाले शुल्क से कोटेदारों को अतिरिक्त आमदनी हो सकेगी। दूसरा, यह कि लोगों को अपने गांव और आसपास के क्षेत्र में ही जनसुविधा केंद्र सुलभ हो सकेगा। इसके लिए उन्हें दूर जाने की जरूरत नहीं होगी। राशन की दुकानों को जनसुविधा केंद्र के रूप में संचालित करने के लिए कामन सर्विस सेंटर अथारिटी कोटेदारों का कामन सर्विस सेंटर पोर्टल पर निःशुल्क पंजीकरण करेगी।

सीएम योगी ने मानसरोवर मंदिर में किया रुद्राभिषेक, जनकल्याण के लिए मांगी मन्नत

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास की शुरूआत पर गुरुवार की सुबह मानसरोवर मंदिर में जनकल्याण के लिए रुद्राभिषेक किया। एक घंटे तक चले अनुष्ठान में उन्होंने आम के रस, 11 लीटर दूध, जल, दही, घी, शक्कर, शहद, गंगा जल और गन्ने के रस से महादेव भगवान शिव का अभिषेक किया। उन्हें बेलपत्र, सफेद कमल, लाल कमल, कनेर, शमी पत्र, दूब, कुशा, राई, गुड़हल, धतूरा, भांग और श्रीफल भी चढ़ाया। रुद्राभिषेक अनुष्ठान की शुरूआत भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के साथ हुई। उसके बाद मुख्यमंत्री ने भगवान शिव और द्वादश ज्योतिर्लिंग का पूरे विधि-विधान के साथ षोडशोपचार पूजन किया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी ने पहले मानसरोवर मंदिर और मानसरोवर रामलीला मैदान में पर्यटन विकास एवं जीर्णोद्धार कार्यक्रम का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान सांसद रवि किशन शुक्ला, मेयर सीताराम जायसवाल, विधायक विपिन सिंह, पुष्पदंत जैन व अन्य लोग मौजूद रहे। गोरखनाथ मंदिर में गुरुवार की सुबह मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। तड़के पांच बजे उन्होंने सबसे पहले बाबा गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई और उनकी पूजा-अर्चना की। उसके बाद अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। हमेशा की तरह मंदिर परिसर का भ्रमण करने के बाद वह गोशाला में गए और आधे घंटे गायों के बीच रहे।

सावन के पहले दिन बाबा दरबार में आस्था की कतार, हर-हर बम-बम से गूंज उठी काशी

वाराणसी। काशी में गुरुवार से आस्था का सावन आ गया है। बाबा दरबार से लेकर गंगधार तक बाबा का दरबार ही नहीं काशी का कोना कोना हर हर बम बम के उद्घोष में डूबा हुआ है। माना जा रहा है कि पूरे माह भर एक करोड़ से अधिक लोग नव्य भव्य बाबा दरबार में हाजिरी लगाएंगे और बाबा का जलाभिषेक कर कृतार्थ होंगे। सावन के पहले दिन गुरु पूर्णिमा पर्व के बाद आस्थावानों ने गुरु चरणों की वंदना करने के बाद बाबा का दर्शन करना प्राथमिकता दी। गंगाजल लेकर तड़के ही बाबा दरबार की कतार में जुट गए।

बाबा के भक्त एक दिन पूर्व गुरुपूर्णिमा के पर्व से ही आस्था में डूबे काशी में निवास कर बाबा के अभिषेक को व्याकुल थे। बाबा दरबार से लेकर गंगधार तक ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करते आस्थावानों की एक ही मंजिल बाबा दरबार में दर्शन और पूजन की थी। तड़के मंगला आरती के बाद बाबा दरबार में दर्शन का क्रम शुरू हुआ तो दिन चढ़ने तक आस्था का सावन काशी में अंगड़ाई लेता नजर आया। सुबह दस बजे तक हजारों आस्थावान बाबा दरबार में सावन माह के पहले दिन दर्शन और पूजन कर चुके थे। इस लिहाज से बाबा दरबार में आस्था का सावन अब परवान चढ़ने लगा है।

वाराणसी में बाबा दरबार में दर्शन पूजन के लिए तीन द्वारों से भक्तों को प्रवेश दिया जा रहा है। गंगा द्वार से सबसे आसान रास्ता सीधा बाबा दरबार तक है। ऐसे में सीधे गंगाजल लेने के बाद भक्त बाबा के दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। भक्तों के आने का क्रम सुबह मंगलाआरती के साथ शुरू हुआ तो दिन चढ़ने तक हजारों लोग बाबा दरबार में हाजिरी लगा चुके थे। मान्यताओं के अनुरूप बाबा दरबार में पूजा की थाली के साथ ही फल- फूल और मेवा के साथ शहद, दही, घी और दूध के साथ बिल्वपत्र चढ़ाकर मन्नतें मांगते नजर आए। वहीं पहले दिन सुरक्षा कारणों से फोर्स की भी तैनाती रही और पिकेट पर सुरक्षा बल मुस्तैद रहे।

मालदीव से सिंगापुर के लिए रवाना हुए राष्ट्रपति गोटाबाया, कोलंबो की सड़कों पर टैंक तैनात

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया देश छोड़ने के बाद दर-दर भटक रहे हैं। गोटाबाया अभी मालदीव में हैं, लेकिन वे जल्द ही सिंगापुर जाएंगे। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, गोटाबाया

सिंगापुर से फिर सऊदी अरब के जेद्दा जाएंगे। मालदीव सरकार के अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि गोटाबाया सऊदी एयरलाइंस के विमान में सवार हो चुके हैं। उधर, श्रीलंकाई सरकार ने राजधानी कोलंबो में कर्फ्यू की सीमा बढ़ा दी है। कोलंबो में 14 जुलाई दोपहर 12 बजे से 15 जुलाई सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू बढ़ाया गया है। बता दें कि गोटाबाया गोटाबाया श्रीलंका छोड़कर मालदीव आ गए थे। गोटाबाया के देश छोड़ने के बाद श्रीलंका में बवाल हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास और दफ्तर पर कब्जा कर लिया है। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने आपातकाल का एलान किया।

श्रीलंकाई सेना को मिली छूट- श्रीलंका की सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि श्रीलंकाई सैनिकों को संपत्ति और जीवन को बचाने के लिए आवश्यक बल प्रयोग करने के लिए अधिकृत किया गया है।

प्रदर्शनों में एक की मौत, कई घायल- श्रीलंका में बुधवार को सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागे। इसके अलावा हवाई फायरिंग की भी आवाज सुनी गई। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान कई लोग घायल हो गए। वहीं, एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और उनकी पत्नी सऊदी एयरलाइंस की उड़ान रश्788 में माले से गुरुवार सुबह रवाना हो चुके हैं। राष्ट्रपति आज शाम सात बजे सिंगापुर पहुंचेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके बाद वह सऊदी अरब के जेद्दा जाएंगे। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो की सड़कों पर टैंक तैनात किए गए हैं।

महाराष्ट्र में पेट्रोल पांच रुपये तो डीजल तीन रुपये हुआ सस्ता, शिंदे कैबिनेट ने घटाया वैट

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल सस्ता हो गया है। पेट्रोल की कीमतों में 5 रुपये जबकि डीजल की कीमत में 3 रुपये की कटौती की गई है। महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट में पेट्रोल और डीजल को सस्ता करने का फैसला लिया गया है। सरकार के इस फैसले से आम लोगों को फायदा होगा। आपको बता दें कि प्रदेश में एकनाथ शिंदे की नई सरकार ने पहले ही पेट्रोल-डीजल के भाव करने इरादा जाहिर कर दिया था। अब सरकार ने कैबिनेट की बैठक में इस फैसले पर मुहर लगा दी है। गौरतलब है कि केंद्र ने करीब डेढ़ महीने पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतें घटायी थी। केंद्र ने पेट्रोल और डीजल से क्रमशः 8 रुपये और 6 रुपये एक्साइज ड्यूटी घटा दिया था। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों को घटाने का फैसला किया था। आपको बता दें कि फिलहाल गुरुवार (14 जुलाई) मुंबई में पेट्रोल के दाम 111.35 रुपये/लीटर हैं। लेकिन अब यह कम होकर 106.35 रुपये/लीटर हो जाएंगे। इसी तरह डीजल जो कि अभी मुंबई में 97.28 रुपये/लीटर है। अब से यह 94.28 रुपये/लीटर की रेट से मिलेगा।

जजों की आलोचना पर नहीं चलेगा अवमानना केस, अटॉर्नी जनरल ने सहमति देने से किया इनकार

नई दिल्ली। निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों की आलोचना को लेकर पूर्व जजों के खिलाफ अवमानना का मुकदमा नहीं चलेगा। अवमानना केस के लिए जब सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल से सहमति मांगी तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। बता दें, बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने नुपुर शर्मा की याचिका पर बेहद तल्ख मौखिक टिप्पणियां की थी। इन टिप्पणियों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज एसएन धींगरा, पूर्व अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अमन लेखी, वरिष्ठ वकील केआर कुमार व अन्य ने सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की थी। एजी वेणुगोपाल ने कहा कि उक्त लोगों द्वारा की गई आलोचना निष्पक्ष थीं। उनके बयान अपमानजनक नहीं थे और न ही ये न्याय प्रक्रिया में हस्तक्षेप के इरादे से थे। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में माना है कि न्यायिक कार्यवाही

की निष्पक्ष और उचित आलोचना अदालत की अवमानना नहीं मानी जाएगी। उक्त तीन व्यक्तियों द्वारा की गई आलोचना द्वेषपूर्ण है या ये जानबूझकर न्यायपालिका की छवि खराब करने का प्रयास है, इस बारे में वे संतुष्ट नहीं हैं। वकील सीआर जया सुकिन ने एक पत्र में जस्टिस ढींगरा, अमन लेखी और वरिष्ठ वकील राम कुमार के खिलाफ अदालत की आपराधिक अवमानना शुरू करने के लिए अटॉर्नी जनरल से सहमति मांगी थी। बता दें, पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर नुपुर शर्मा के खिलाफ कई राज्यों में केस दर्ज किए गए हैं। नुपुर ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई थी कि सारे मामले दिल्ली ट्रांसफर कर दिए जाएं क्योंकि उसकी जान का खतरा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए नुपुर के खिलाफ कठोर टिप्पणियां की थीं। शीर्ष कोर्ट ने नुपुर की याचिका खारिज करते हुए देशभर में मचे बवाल के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया था।

पकड़ा गया मालकिन की जान लेने वाला पिटबुल डॉग, नगर आयुक्त की अपील- हिंसक कुत्ते न पालें

लखनऊ। हमला कर मालकिन की जान लेने वाला पिटबुल डॉग बृहस्पतिवार को पकड़ लिया गया। बुधवार को पीड़ित परिवार के घर से बाहर होने के कारण ऐसा नहीं किया जा सका था। नगर निगम की टीम ने बृहस्पतिवार को कैसरबाग स्थित बंगाली टोला में पिटबुल को पकड़ लिया और जरहरा स्थित श्वान केंद्र में लेकर चली गई।

नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व संयुक्त निदेशक पशु कल्याण डॉ. अरविंद राव व पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि बुधवार को टीम पिटबुल को पकड़ने गई थी, लेकिन परिवारवाले अस्थि विसर्जन के लिए बाहर गए थे। पशु चिकित्सक डॉ. अभिनव वर्मा ने कहा कि इस पिटबुल का लाइसेंस बना है कि नहीं, अभी साफ नहीं हो पाया है। लाइसेंस बनाने का काम प्राइवेट पशु चिकित्सक करते हैं, ऐसे में वहां से भी जानकारी मंगाई जा रही है। नगर निगम में इस कुत्ते का रिकॉर्ड नहीं मिला है। कैसरबाग की घटना के बाद नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने शहरवासियों से हिंसक प्रजाति के कुत्ते न पालने की अपील की है। इनमें अमेरिकन पिटबुल, रॉटविलर, साइबेरियन, हस्की, डाबरमैन, पिंस्चर, बॉक्सर आदि शामिल हैं। नगर आयुक्त ने यह भी कहा कि

यदि कुत्तों के स्वभाव में बदलाव दिखे तो तुरंत पशु चिकित्साधिकारी से संपर्क करें। बड़ी ब्रीड के कुत्ते पालने में सावधानी बरते और प्रशिक्षित कुत्ते ही पालें। कहा कि कुत्तों को मांसाहारी भोजन देने से बचें। बताया कि बिना लाइसेंस और नियम विपरीत कुत्ते पालने पर 5000 रुपये तक जुमार्ना है। नियम के अनुसार मालिक श्वान को ऐसे रखेगा, जिससे पड़ोसियों को कोई दिक्कत न हो।

महाराष्ट्र- गुजरात में बारिश-बाढ़ से स्थिति गंभीर तेलंगाना में गोदावरी नदी का बढ़ा जलस्तर

नई दिल्ली। पूरे देश में बारिश और बाढ़ ने हाहाकार मचा रखा है। कई राज्यों में भीषण बारिश आफत बनी हुई है। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ के चलते आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, असम, ओडिशा, और उत्तराखंड इन सभी राज्यों में बारिश और बाढ़ ने कहर बरपा रखा है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में तेज बारिश और बाढ़ के चलते फुट ओवर ब्रिज बह गया और फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं लगातार बारिश से महाराष्ट्र के नासिक में नदियां और नाले उफान पर हैं और सड़कों पर बाढ़ आ गई है, इसके अलावा अन्य राज्यों में बारिश-बाढ़ की क्या स्थिति है, वो आपको बताते हैं।

महाराष्ट्र में भारी बारिश का अलर्ट, ठाणे के स्कूल-कॉलेज बंद- महाराष्ट्र में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। मूसलाधार बारिश की वजह से कई जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। बारिश से जुड़ी घटनाओं के चलते राज्य में 1 जून से अब तक 89 लोगों की मौत हो चुकी है। कई नदियों का बहाव तेज हो गया है। माया नगरी मुंबई में भी बारिश का असर देखने को मिल रहा है। मुंबई के कइ इलाकों में पानी जमा हो गया है। जलभराव के चलते सड़कों पर लंबा जाम लग रहा है। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के तुमसर में एसडीआरएफ की टीम ने 15 लोगों को बचाया। सभी लोग भारी बारिश की वजह से बाढ़ जैसी स्थिति के कारण एक मंदिर में फंस

गए थे। भारी बारिश के कारण नासिक में नदियां और नाले उफान पर हैं और सड़कों पर बाढ़ आ गई है। वीडियो नासिक के पेगलवाड़ी गांव से है, जहां निवासी अपने सामान और बच्चों को अपने कंधों पर उठाकर सड़क को पार कर रहे हैं। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के 29 गांवों के 3,000 से अधिक लोगों को क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

गुजरात के नवसारी में भारी बारिश से सड़कें डूबी- वहीं, गुजरात में अलग-अलग जिलों में भारी बारिश जारी है। आलम ये है कि कई गांवों का संपर्क टूट गया है। गुजरात के कालियावाड़ी, नवसारी के निचले इलाकों में लगातार हो रही बारिश के बीच बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए हेलीकाप्टर तैनात किए गए हैं। एनडीआरएफ के जवान भी लगातार लोगों को बचा रहे हैं। विभिन्न इलाकों से अब तक दो हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। वहीं गुजरात के वलसाड जिले में दमन गंगा नदी पर बने मधुबन बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया है, क्योंकि यह क्षेत्र भारी बारिश से प्रभावित है। नवसारी के डीएम अमित प्रकाश यादव ने कहा- नवसारी जिले से बहने वाली तीन नदियां- पूर्णा, कावेरी और अंबिका बाढ़ की स्थिति में हैं; बीती रात पूर्णा नदी खतरे के निशान को पार कर गई। आसपास के इलाकों में 40,000 लोग प्रभावित हैं, जबकि 2500 लोगों को सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया गया।

कार से टकराकर पलटी बस, बाराबंकी के युवक की मौत, 12 की हालत गंभीर

बहराइच। दिल्ली से सवारियों को लेकर बहराइच आ रही डबल डेकर बस लखनऊ-बहराइच हाईवे पर जरवलरोड थाना क्षेत्र के घाघरा घाट के निकट कार से टक्कर के बाद खड्ड में पलट गई। इस हादसे में कार सवार बाराबंकी जिला निवासी युवक की मौत हो गई। दर्जन भर से अधिक यात्री घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। जरवलरोड के घाघराघाट पुल के निकट बनी पानी टंकी के पास गुरुवार की सुबह दिल्ली से सवारियों को लेकर बहराइच आ रही डबल डेकर बस सामने से आ रही मारुति ब्रेजा कार से टकराकर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराते हुए खड्ड में पलट गई। इस हादसे में कार चालक बाराबंकी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के बडन्तपुर गणेशपुर निवासी अशोक यादव (30) पुत्र प्रकाश यादव की मौत हो गई। कार सवार उसी गांव के यतेंद्र चौधरी पुत्र जसवंत चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके साथ ही बस में सवार पयागपुर के इंदिरा पुरा निवासी बेनी बाबू (32) पुत्र मुरलीधर, विनोद (22) पुत्र जमुना प्रसाद, पंकज (25) पुत्र करमचंद, प्रीति श्रीवास्तव (25) पत्नी सुरेश श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार(27) बुधसागर, मंत्रराज सिंह (10) पुत्र अमन सिंह, अनीता सिंह पत्नी अमन सिंह समेत दर्जन भर यात्री घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी मुस्तफा बाद में भर्ती कराया है। हालत गंभीर होने पर दो लोगों को ट्रामा सेंटर पेपर किया गया है।

मची रही चीख-पुकार : कार से टकराकर खड्ड में डबल डेकर बस के पलटने के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। घंटों तक अफरातफरी का माहौल रहा। बस में सवार यात्रियों को स्वजन भी हादसे की खबर मिलते ही घटना स्थल की ओर चल पड़े।

संपादकीय

आपातकाल के सहारे

श्रीलंका फिलहाल जिस तरह के उथल-पुथल से गुजर रहा है, उससे समझा जा सकता है कि वहां की सत्ता कैसे अदूरदर्शी नेताओं के हाथ में कैद रही। उनकी लगातार अहं में जकड़ी जिद और मनमानी नीतियों का ही नतीजा है कि देश की आम जनता को वहां की सरकार के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंकना पड़ा। पहले वहां लोगों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री के आवास में आग लगा दी। ताजा खबर यह है कि खुद राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे सैन्य विमान से मालदीव भाग गए, जबकि उन्होंने तेरह जुलाई को इस्तीफा देने की घोषणा की थी। चारों तरफ पसरी अराजकता से निपटने का रास्ता फिलहाल आपातकाल की घोषणा को माना गया है। हालांकि यह एक नाजुक दौर था जब जनता को यह विश्वास दिलाया जाता कि देश के सामने जो समस्या खड़ी हो गई है, वहां का सत्ता-तंत्र उससे निकलने का रास्ता निकालेगा। मगर देश के पश्चिमी प्रांत में कर्फ्यू लगा दिया गया है और इसके साथ ही प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने उपद्रव कर रहे लोगों को गिरफ्तार करने और उनके वाहन जब्त करने का आदेश दे दिया है। श्रीलंका में बिगड़े हालात पर काबू पाने के लिए सरकार ने जिस तरह के कदम उठाने की घोषणा की है, उससे जनता के उग्र प्रदर्शनों को दबाने में तात्कालिक तौर पर मदद मिल सकती है। मगर सवाल है कि जिन नीतियों और फैसलों की वजह से श्रीलंका इस दशा में पहुंच गया है, क्या जनता पर सख्ती उसका समाधान है? आखिर राष्ट्रपति को देश छोड़ कर भागने की नौबत आई, तो इसके पीछे इतनी बड़ी वजह तो होगी ही कि वे जनता और उसके सवालों का सामना करने में खुद को समर्थ नहीं पा रहे थे। किसी भी देश के शासक को इस बात का अहसास हो जाना चाहिए कि वहां जो नीतियां लागू की जा रही हैं, उनका असर क्या पड़ेगा। जब गोटबाया राजपक्षे श्रीलंका की सत्ता पर संपूर्ण नियंत्रण अपने पास केंद्रित कर रहे थे, आर्थिक मसलों पर बिना किसी की सहभागिता और अन्य पक्षों से विचार-विमर्श के फैसले ले रहे थे, तब क्या उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसके नतीजे क्या होने वाले हैं? अब आज श्रीलंका में हालात पूरी तरह हाथ से निकल गए हैं, वहां पेट्रोल या डीजल तो दूर, लोगों के सामने भोजन तक संकट खड़ा हो गया है तो इसके लिए क्या उनका रुख ही मुख्य रूप से जिम्मेदार नहीं है? देश के संसाधनों के समुचित उपयोग के जरिए आत्मनिर्भरता की जमीन मजबूत करने के बजाय अंतरराष्ट्रीय बैंकों या अन्य देशों के कर्ज के जाल में फंसा कर किसका हित किया जाता है? किसी भी स्थिति में लिए गए कर्ज का भुगतान किसे और किस रूप में करना पड़ता है? दरअसल, श्रीलंका इस बात का साक्षात उदाहरण है कि पद हासिल करने के बाद निजी महत्त्वाकांक्षाओं के लिए कैसे कोई नेता समूचे देश को अपनी अदूरदर्शिता के झंझावात में झोंक देता है। लापरवाही से भरे नीतिगत फैसलों और कई स्तरों पर लिए गए कर्ज ने श्रीलंका को इस दशा में पहुंचा दिया कि लोगों को अराजक होने के अलावा कोई रास्ता नहीं दिखा। फिलहाल विपक्ष ने वहां रानिल विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति मानने से इनकार कर दिया है। अब वहां सर्वदलीय सरकार का गठन करके जनता के आक्रोश को थामने और समाधान की कोई राह निकालने की कोशिश हो रही है, लेकिन सवाल है कि आर्थिक मोर्चे पर देश की जो दशा हो चुकी है, उसका हल तुरंत कैसे निकलेगा? तात्कालिक तौर पर अन्य देशों या अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से मदद लेकर स्थिति संभालने की कोशिश हो सकती है, लेकिन अगर फिर से और कर्ज को ही हल के तौर पर देखा जाता है तो क्या वह संकट का एक नया जाल नहीं होगा!

देखते हैं कब तक?

भेजा चुनकर जनता ने ।
करते कितना काम ?
माननीय चर्चा में ।
आ रहे तमाम ।।
भेजे गए क्षेत्र से ।
करने को कमाल ।।
स्थिति पर ऐसी ।
उठते हैं सवाल ।।
जोर आजमाइश की ।
है बहती बयार ।।
कारनामे अनगिनत ।
आई है बहार ।।
लाने को बदलाव ।
है अब इंतजार ।।
देखते हैं कब तक ?
होगा ये उपकार ।।

-कृष्णेन्द्र राय

भारतीय सेना का जांबाज ब्रिगेडियर 'नौशेरा का शेर' : मोहम्मद उस्मान

15 जुलाई जयंती पर विशेष

ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान जंग के मैदान में शहीद होने वाले बड़ी रैंक के पहले अफसर थे। बहादुरी ऐसी कि पाकिस्तानी सेना खौफ खाती थी। इंडियन आर्मी के इस अफसर को "नौशेरा का शेर" भी कहा जाता है। उस्मान ने वतन परस्ती की ऐसी मिसाल पेश की कि बंटवारे के दौरान पाकिस्तानी सेना का चीफ बनने का मोहम्मद अली जिन्ना का प्रस्ताव ठुकरा दिया। ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान पहले ऐसे अफसर थे,जिस जांबाज पर पाकिस्तान ने इनाम रखा था।

भारतीय सेना के महान अफसर ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान का जन्म 15 जुलाई, 1912 को आजमगढ़ में हुआ था। उनके पिता मोहम्मद फारूख पुलिस में आला अधिकारी थे जबकि मां जमीलन बीबी घरेलू महिला थीं। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा स्थानीय मरदसे में हुई और आगे की पढ़ाई वाराणसी के हरश्चिंद्र स्कूल तथा इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में हुई। वह न सिर्फ अच्छे खिलाड़ी थे बल्कि जबरदस्त वक्ता भी थे। वीरता उनमें कूट-कूट कर भरी थी। तभी तो महज 12 साल की उम्र में वह अपने एक मित्र को बचाने के लिए कुएं में कूद पड़े थे और उसे बचा भी लिया था।

देश के बंटवारे के समय जिन्ना और लियाकत खान ने मुसलमान होने का वास्ता देकर उनसे पाकिस्तान आने का आग्रह किया। साथ ही पाकिस्तान की सेना का प्रमुख बनाने का न्यौता भी दिया। मगर उन्होंने उस न्यौते को ठुकरा दिया और 1947-48 में पाकिस्तान के साथ पहले युद्ध में वे शहीद हो गए। साल 1932 में मोहम्मद उस्मान की उम्र महज 20 वर्ष थी। उस्मान जिस दौर में पल रहे थे, वो आजादी से काफी पहले का दौर था। उस्मान ने तभी सेना में जाकर देश के लिए कुछ करने का जज्बा दिल में पाल लिया था। यह वो दौर था जब भारत में ब्रिटिश हुकूमत थी। उस्मान के पिता चाहते थे कि बेटा सिविल सर्विस में जाकर खानदान का नाम ऊंचा करे। लेकिन उस्मान के ख़्वाब उनके पिता की सोच से अलग थे।

20 वर्ष की उम्र में उस्मान को आर एम, रॉयल मिलिट्री एकेडमी में दाखिला मिल गया। उस वक्त पूरे भारत में केवल 10 लड़कों को इस मिलिट्री संस्थान में दाखिला मिला था। उस्मान उनमें से एक थे। तब भारत की अपनी मिलिट्री एकेडमी नहीं थी, इसलिए सेना में जाने वाले युवाओं को ब्रिटिश सरकार इंग्लैंड में रॉयल मिलिट्री एकेडमी भेजकर ट्रेनिंग करवाती थी। हालांकि इंग्लैंड की इस एकेडमी का यह आखिरी बैच था। उसी साल भारत में उत्तराखंड के देहरादून में पहली इंडियन मिलिट्री एकेडमी की स्थापना हो गई। उस्मान अपने पिता फारूख की उम्मीदों से उलट आर्मी अफसर बनने के लिए इंग्लैंड रवाना हो गए। वहां उन्होंने 3 साल तक मिलिट्री की कड़ी ट्रेनिंग ली। इंग्लैंड की रॉयल मिलिट्री एकेडमी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद एक साल उस्मान ने रॉयल मिलिट्री फोर्स में भी अपनी सेवाएं दीं।

जिसके बाद वो भारत लौट आए। साल 1935 में उस्मान को 10वीं बलूच रेजिमेंट की 5वीं बटालियन में पहली तैनाती मिली। वर्ल्ड वॉर के दौरान मोहम्मद उस्मान को अफगानिस्तान और बर्मा में भी तैनात किया गया। 30 अप्रैल, 1936 को उनको लेफ्टिनेंट की रैंक पर प्रमोशन मिला और 31 अगस्त, 1941 को कैप्टन की रैंक पर। अप्रैल 1944 में उन्होंने बर्मा में अपनी सेवा दी और 27 सितंबर, 1945 को लंदन गैजेट में कार्यवाहक मेजर के तौर पर उनके नाम का उल्लेख किया गया। बंटवारे से पहले साल 1945 से लेकर साल 1946 तक मोहम्मद उस्मान ने 10वीं बलूच रेजिमेंट की 14वीं बटालियन का नेतृत्व किया। बलूच रेजीमेंट में तैनाती के दौरान वह युद्ध की हर बारीकी को सीख रहे थे। उस्मान शायद अपने जीवन की सबसे बड़ी लड़ाई के लिए तैयार हो रहे थे। जो उन्हें बंटवारे के बाद पाकिस्तानी फौज से लड़नी थी। अपनी काबिलियत के दम पर उन्हें लागातार प्रमोशन मिलता रहा और कम उम्र में ही वो ब्रिगेडियर के पद पर काबिज हो गए।

साल 1947 में भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ। जिसके बाद दोनों देशों से हजारों लोग इस तरफ से उस तरफ गए और वहां से यहां आए। भारत-पाक बंटवारे के बाद हर चीज का बंटवारा हो रहा था। जमीन के टुकड़े के साथ ही विभागों और सेना की कुछ रेजिमेंट का बंटवारा किया गया। बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा बना। बंटवारे के बाद मोहम्मद उस्मान बड़ी मुश्किल में आ गए। क्योंकि बलूच रेजिमेंट बंटवारे के बाद पाकिस्तानी सेना का हिस्सा बन गई। उस दौर में सेना में बहुत ही कम मुसलमान थे। जब बंटवारा हुआ तो मोहम्मद अली जिन्ना मुसलमान होने की वजह से ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान को पाकिस्तान ले जाना चाहते थे।

जिन्ना जानते थे कि उस्मान एक काबिल और दिलेर अफसर हैं, जो पाकिस्तानी सेना के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। बावजूद इसके उस्मान ने पाकिस्तान जाने से साफ मना कर दिया। उसके बाद उस्मान को तोड़ने के लिए पाकिस्तानियों की ओर से काफी प्रलोभन दिए गए। इतना ही नहीं, मोहम्मद अली जिन्ना ने मोहम्मद उस्मान को पाकिस्तानी सेना का चीफ ऑफ आर्मी बनाने तक का लालच दिया था। मगर जिन्ना का ये लालच भी उस्मान के ईमान को हिला नहीं पाया। उस्मान ने भारतीय सेना में ही रहने का फैसला किया। जिसके बाद उन्हें डोगरा रेजिमेंट में शिफ्ट कर दिया गया। साल 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद कश्मीर आजाद रहना चाहता था। लेकिन पाकिस्तान ने बेहद चालाकी से वहां घुसपैठ की। पाकिस्तान की मंशा कश्मीर पर कब्जा करने की थी।

उस दौरान कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद कश्मीर भारत का हिस्सा बन गया। भारतीय सेना ने कश्मीर को बचाने के लिए अपने सैनिकों को श्रीनगर भेज दिया। भारतीय सेना का पहला लक्ष्य पाकिस्तानियों से कश्मीर घाटी को बचाना था। भारतीय सेना ने कश्मीर के आम इलाकों को अपने कब्जे में लेना शुरू कर दिया। वहीं, पाकिस्तानी घुसपैठ करते हुए नौशेरा तक पहुंच गए थे। पाकिस्तानी फौज कश्मीर के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर चुकी थी। पुंछ में हजारों लोग फंसे हुए थे। जिन्हें निकालने का काम भारतीय सेना कर रही थी। उस समय ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान 77वें पैराशूट ब्रिगेड की कमान संभाल रहे थे। वहां से उनको 50वें पैराशूट ब्रिगेड की कमान संभालने के लिए भेजा गया। इस रेजिमेंट को दिसंबर, 1947 में झांगर में तैनात किया गया था।

25 दिसंबर, 1947 को पाकिस्तानी सेना ने झांगर पर भी कब्जा कर लिया था। झांगर का पाक के लिए सामरिक महत्व था। मीरपुर और कोटली से सड़कें आकर यहीं मिलती थीं। लेफ्टिनेंट जनरल के. एम. करिअप्पा तब वेस्टर्न आर्मी कमांडर थे। उन्होंने जम्मू को अपनी कमान का हेडक्वार्टर बनाया। लक्ष्य था झ झांगर और पुंछ पर कब्जा करना। कई अन्य अधिकारियों के साथ ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान भी कश्मीर में अपनी बटालियन का नेतृत्व कर रहे थे। उस्मान के लिए सब कुछ इतना आसान नहीं था। दुश्मन गुफाओं में छिपकर भारतीय सेना पर हमला कर रहे थे। उस्मान ने झांगर क्षेत्र को पाकिस्तानियों के कब्जे से आजाद कराने की कसम खाई थी। जो उन्होंने पूरी भी की।

ब्रगेडियर उस्मान ने एक तो पाकिस्तान की सेना में सेनाध्यक्ष बनने की जिन्ना की पेशकश को ठुकरा दिया था। उसके बाद ऐसी बहादुरी दिखाई कि एक के बाद एक इलाके दुश्मन सेना के कब्जे से छुड़ा लाए। झांगर हासिल करने के बाद ब्रिगेडियर उस्मान ने नौशेरा को भी फतह कर लिया था। जिसके बाद से उन्हें नौशेरा का शेर कहा जाने लगा। उस्मान की बहादुरी के आगे पाकिस्तानी सेना चारों खाने चित्त हो गई थी। ब्रिगेडियर उस्मान की काबलियतऔर कुशल रणनीति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना को काफी कम नुकसान हुआ था। जहां इस युद्ध में पाकिस्तानी सेना के 1000 सैनिक मारे गए, तो वहीं भारतीय सेना के सिर्फ 33 सैनिक शहीद हुए थे। ब्रिगेडियर उस्मान अपनी बहादुरी के कारण पाकिस्तानी सेना की आंखों की किरकिरी बन चुके थे। पाकिस्तान इतना बौखला गया था कि उसने उस्मान के सिर पर 50 हजार रुपए का इनाम भी रख दिया।

पाक सेना घात लगाकर बैठी थी। 3 जुलाई, 1948 की शाम, पौने 6 बजे होंगे। उस्मान जैसे ही अपने टेंट से बाहर निकले कि उन पर 25 पाउंड का गोला पाक सेना ने दाग दिया। उनके अंतिम शब्द थे झ हम तो जा रहे हैं, पर जमीन के एक भी टुकड़े पर दुश्मन का कब्जा न होने पाए। ब्रिगेडियर उस्मान 36वें जन्मदिन से 12 दिन पहले शहीद हो गए। ब्रिगेडियर के पद पर रहते हुए देश के लिए शहीद होने वाले उस्मान इकलौते भारतीय थे। उन्हीं की कुबार्नी का नतीजा है कि आज भी जम्मू-कश्मीर की घाटियां भारत का अभिन्न अंग हैं।

शहादत के बाद राजकीय सम्मान के साथ उन्हें जामिया मिल्लिया इस्लामिया कब्रगाह, नयी दिल्ली में दफनाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबोटन, प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, केंद्रीय मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद और शेख अब्दुल्ला शामिल थे। किसी फौजी के लिए आजाद भारत का यह सबसे बड़ा सम्मान था। यह सम्मान उनके बाद किसी भारतीय फौजी को नहीं मिला। मरणोपरांत उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

उस्मान अलग ही मिट्टी के बने थे। अपने फौजी जीवन में बेहद कड़क माने जाने वाले उस्मान अपने व्यक्तिगत जीवन में बेहद मानवीय और उदार थे। अपने वेतन का अधिकाँश हिस्सा गरीब बच्चों की पढ़ाई और जरूरतमंदों पर खर्च करते थे। वे नौशेरा में अनाथ पाए गए 158 बच्चों को उनको पढ़ाते-लिखाते और उनकी देखभाल करते थे।

जब-जब भारतीय फौज की वतनपरस्ती और पराक्रम का जिक्र होगा, भारत माँ के सपूत ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान का नाम बड़े अदब के साथ याद किया जाएगा।

"लाई हयात आये , कजा ले चली , चले।
अपनी खुशी से आये ना, अपनी खुशी चले।।"

शाहीन अंसारी
सेन्टर फॉर हामोनी एंड पीस

श्रीलंका संकट के बीच क्यों सेना भेजने से बच रहा है भारत, क्या है ऑपरेशन पुमलाई और 35 साल पुराना दर्द जिसे अब तक नहीं भुला सका देश

भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में हालात दिन पर दिन बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया है। प्रधानमंत्री के निजी आवास को आग लगा दी गई है। श्रीलंका में हालात कितने खराब हैं इसका अंदाजा इससे लगाइये कि सरकारी न्यूज चैनल तक में प्रदर्शकारी घुस गये। इतना ही नहीं एक प्रदर्शनकारी वहां न्यूज एंकर बनकर बैठ गया और बोलने लगा। अक्सर ये कहा जाता है कि अगर हमारे पड़ोसी अच्छे हैं तो हमारी रोजमर्रा की कई छोटी-बड़ी बातों की फिक्र यूं ही खत्म हो जाती है। यही फॉमूर्ला देशों पर भी लागू होता है। अगर हमारे पड़ोसी देश में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और उथल पुथल मची है तो हमें इससे क्या कहकर हम पीछा नहीं छुड़ा सकते। ये तो वही बात हो गई कि अगर आपके पड़ोसी के घर में आग लगी हो और आप अपना दरवाजा बंद कर लें, तो आप सुरक्षित नहीं रहेंगे। पड़ोस में चल रहे इस संकट से भारत भी बेहद चिंतित है। भारत श्रीलंका को इस बुरे संकट से निकालने के लिए हर संभव मदद कर रहा है। भारत लगातार श्रीलंका को खाना, तेल, दवाईयां और आर्थिक मदद दे रहा है। लेकिन इन सभी के बीच सोशल मीडिया पर ये खबर वायरल हो गई कि श्रीलंका में प्रदर्शनाकारियों को काबू में करने के लिए भारत अपनी सेना भेज रहा है।

सुब्रमण?यम स?वामी की सलाह, भारतीय दूतावास की सफाई- श्रीलंका के हालात को देखते हुए सुब्रमण?यम स?वामी ने कहा कि अगर ऐसा रहा तो पड़ोस में कोई भी लोकतांत्रिक देश सुरक्षि?त नहीं रहेगा। स?वामी ने कहा, 'अगर राजपक्षे भारत की सै-?य मदद चाहते हैं तो हमें उ-?हें निश्चित रूप से देना चाहिए।' स?वामी ने यह भी दावा किया कि श्रीलंका में वर्तमान संकट को पैदा किया गया है। भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह भीड़ भारत में शरणार्थी न बन जाए। भारतीय सेना को भेजने की सलाह पर स?वामी के खिलाफ श्रीलंका के लोग सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल करने लगे। यही नहीं श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने स?वामी के बयान से पल?ला झाड़ लिया है और कहा कि यह भारत सरकार की स्थिति के अनुरूप नहीं है।

भारत क्या श्रीलंका में भेजेगा सेना?- पहली बात तो श्रीलंका ने भारत से किसी भी तरह की सैन्य मदद नहीं मांगी है। न ही भारत एकतरफा फैसला लेते हुए श्रीलंका में सेना भेजेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी उन सभी खबरों का खंडन कर दिया है। जिसमें ये कहा जा रहा था कि भारत अपनी सेना श्रीलंका में भेजेगा। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ कहा है कि हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े हैं। श्रीलंका के लोग लोकतांत्रिक साधनों और मूल्यों, स्थापित संस्थानों और संवैधानिक ढांचे के जरिये समृद्धि और प्रगति से जुड़ी अपनी आकांक्षाओं को साकार करना चाहते हैं। इसके अलावा भारत अपनी वैश्विक ताकत का इस्तेमाल करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रीलंका को मदद दिलवा सकता है। भारत ने 80 के दौर में श्रीलंका में अपनी सेना भेजी थी। लेकिन उस वक्त श्रीलंका की सरकार और तमिल विद्रोही दोनों ने ये अपली की थी कि भारत अपनी शांति सेना भेजे।

भारत को शांति सेना भेजने का खामियाजा उठाना पड़ा था- भारत ने श्रीलंका में अपनी शांति सेना भेजी भी थी। हालांकि इसका खामियाजा भी भारत को उठाना पड़ा था। दरअसल श्रीलंका में सेना भेजने का उद्देश्य वहां की सरकार और लिट्टे के बीच की जंग में शांति लाना था। लेकिन लिट्टे चीफ प्रभाकरण ने अपने लड़ाकों को भारतीय सेना के खिलाफ ही उतार दिया था। श्रीलंका में करीब 32 महीने के गतिरोध के बाद भारतीय सेना को लौटना पड़ा था। इस दौरान श्रीलंका की सेना ने तमिल लोगों और लिट्टे के खिलाफ जमकर कार्रवाई की। बाद में लिट्टे समर्थकों ने श्रीलंका में शांति सेना भेजने के लिए आत्मघाती हमला कर राजीव गांधी की हत्या करवा दी थी।

सिंहली और श्रीलंकाई तमिलों के बीच का संघर्ष- श्रीलंका में वहां के मूल निवासियों सिंहली और श्रीलंकाई तमिलों के बीच शुरूआत से ही जातिय संघर्ष रहा है। सिंहलियों का कहना था कि तमिल लोग उनके संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। अंग्रेजी राज खत्म होने के 8 साल बाद 1956 में वहां की सरकार ने 'सिंहला ओनली एक्ट' लागू कर दिया। इस एक्ट के जरिए तमिल की जगह सिंहली भाषा को ऑफिशियल दर्जा मिल गया। इसके बाद तमिलों में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई। 1972 में प्रभाकरन ने तमिल न्यू टाइगर्स की स्थापना की, जो अनेक संगठनों के उत्तराधिकारी के रूप में सामने आया। बाद में 1976 में प्रभाकरन ने लिट्टे की स्थापना की जो सशस्त्र संगठन था। जाफना के मेयर, अल्फ्रेड दुरैअप्पा की उस समय गोली मार कर हत्या कर दी गई जब वे पोंनालाई में एक हिंदू मंदिर में प्रवेश करने वाले थे।

श्रीलंका सरकार के साथ सैन्य संघर्ष- 1983 में जाफना के बाहर श्रीलंकाई सेना के एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया जिसमें 13 सैनिकों की मौत हो गई। इस हमले के बाद श्रीलंका में भीषण नरसंहार हुआ जिसके परिणामस्वरूप हजारों तमिल नागरिकों की मौत हुई। यहीं से श्रीलंका में गृहयुद्ध की शुरूआत हो गई। लिट्टे, जिसे तमिल टाइगर्स के रूप में भी जाना जाता था उसने प्रभाकरन के नेतृत्व में उत्तरी श्रीलंका में बड़े हिस्से को नियंत्रित कर लिया। इतना ही नहीं पूर्वी श्रीलंका में प्रभाकरन सरकार के खिलाफ अपना स्वतंत्र राज्य चलाने लगे।

क्या है ऑपरेशन पुमालाई- लिट्टे का बढ़ता वर्चस्व देख 1987 में श्रीलंका की सेना ने उन्हें रोकने के लिए हवाई हमले शुरू कर दिए। इस हमले में तमिल आबादी वाले जाफना में कई निर्दोष नागरिक भी मारे गए। ऐसे में भारत सरकार ने श्रीलंका से तमिलों के खिलाफ हिंसा रोकने की अपील की। लेकिन श्रीलंका ने इसे कोई खास तव्ज्यों नहीं दी। जिसके बाद ऑपरेशन पुमालाई चलाया गया। ऑपरेशन पुमालाई को स्पेशल मिशन ईगल 4 के नाम से भी जाना जाता है। ये भारतीय वायुसेना की एक और गौरव गाथा है, जहां भारतीय डिफेंस फोर्स ने कमाल का काम किया था। हालांकि इसमें कोई युद्ध नहीं लड़ा गया था। ये उस दौर की बात है जब श्रीलंका में सिविल वॉर चल रहा था। वहां के नॉर्डन प्रोविनेंस की राजधानी जाफना पर लिट्टे ने कब्जा कर लिया था। श्रीलंका फोर्स ने ऑपरेशन चलाया और लिट्टे के साथ मुठभेड़ भी हुई। लेकिन इसमें आम नागरिक भी फंस गए थे। उन्हें ही सहायता देने के लिए ऑपरेशन पुमालाई चलाया गया था। 4 जून 1987 को, राहत प्रदान करने के लिए एक बोली में भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन पुमालाई की शुरूआत की। इस ऑपरेशन से पहले भारतीय सेना ने अपना एक अनआर्मड शिप भी भेजने की कोशिश की थी। लेकिन बाद में उसे श्रीलंका की नौसेना ने बीच मार्ग में रोक कर वापस भेज दिया था। जिसके बाद एक ही चारा था कि अब वक्त आ गया है कि श्रीलंका को हम अपनी ताकत दिखाए।

मिली एक ऐसी ममी, जिसके पेट में भ्रूण सालों रहा सुरक्षित

वैज्ञानिक हैरान, 2000 साल पहले प्रेग्नेंट हुई थी महिला

काहिरा। साईंटिस्ट लंबे समय से एक ऐसी ममी के रहस्य का पता लगाने में जुटे थे जो कि 2000 साल पुरानी होने के साथ ही एक गर्भवती महिला से ताल्लुक रखती थी। बता दें कि मिस्र से मिली इस ममी में जो महिला थी उसके गर्भ में पल रहा बच्चा पूरी तरह सुरक्षित था, यानी महिला की मौत हो चुकी थी। मगर उसके अंदर मौजूद भ्रूण जिंदा था। वैज्ञानिकों ने इस महिला की मौत के कारण का पता लगाने के लिए पहले ममी की खोपड़ी पर एक शोध किया। इस रिसर्च से अनुमान लगाया गया है कि महिला की मौत कैंसर की वजह से हुई थी। यह एक ऐसी खोज है जिसने कैंसर विशेषज्ञों और मिस्र के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है।

19वीं और 20वीं सदी के दौरान, माना जाता था कि यह ममी, एक पुरुष पुजारी की थी। लेकिन, वॉरसॉ ममी प्रोजेक्ट ने जब इसपर काम किया, तो पाया गया कि असल में यह ममी एक महिला की थी। ज्यादा आश्चर्य तब हुआ जब पता चला कि वह दुनिया की पहली गर्भवती ममी भी है। इससे पहले कभी कोई गर्भवती ममी नहीं मिली थी। ममी के सिर का स्कैन करने के बाद पता चला कि महिला के सिर के बाएं हिस्से में कैंसर हुआ था। ममी के सिर का स्कैन करने के बाद पता चला कि महिला के सिर के बाएं हिस्से में कैंसर हुआ था। इस साल की शुरूआत में, मिस्टीरियस लेडी के सीटी स्कैन से इस बात का सबूत मिला था कि उसके शरीर की श्रोणि गुहा में एक भ्रूण था। खास बात तो यह थी कि उनके शोध से पता चला है कि ममी के गर्भ के बहुत एसिडिक होने और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण की वजह से भ्रूण भी बहुत अच्छी तरह से संरक्षित रहा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि उनसे कई बार यह सवाल पूछा गया कि इस महिला की मौत की वजह क्या थी, इसलिए उन्होंने इसका पता लगाने का फैसला किया। गर्भवती ममी की खोपड़ी का स्कैन किया गया। हड्डी से ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि महिला कैंसर से पीड़ित थी।

सीटी स्कैन से खोपड़ी के बाईं तरफ पर ऐसे निशान दिखे जो आजकल डॉक्टर नैसोफिरिंजियल कैंसर के रोगियों में देखते हैं। यह एक दुर्लभ कैंसर जो गले के उस हिस्से को प्रभावित करता है जो नाक और मुंह के पीछे होता है। यहां 7 मिमी व्यास का एक गोल घाव दिखा। जो ट्यूमर की वजह से हो सकता है।

दिखी अंतरिक्ष की शुरुआत की झलक

नासा ने कहा, हम 13 अरब साल पीछे देख रहे

न्यूयार्क। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप से मिली तस्वीरें जारी की है। यह सबसे हाई रिजॉल्यूशन वाली ब्रह्मांड की रंगीन तस्वीरें है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में इस बारे में जानकारी दी। बाइडेन ने कहा- आज एक ऐतिहासिक दिन है। यह अमेरिका और पूरी मानवता के लिए ऐतिहासिक है। यह तस्वीरें बताती हैं कि अमेरिका कितने बड़े कारनामे कर सकता है। नासा के हेड बिल नेल्सन ने इस कामयाबी पर कहा- हम 13 अरब साल पीछे मुड़कर देख रहे हैं। इन छोटे कणों में से एक पर आप जो प्रकाश देख रहे हैं, वह 13 अरब साल से यात्रा कर रहा है। अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा- यह हम सभी के लिए बेहद रोमांचक क्षण है। आज ब्रह्मांड के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत हुई है। नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप को पिछले साल 25 दिसंबर को एरियन रॉकेट के जरिए फ्रेंच गुयाना स्थित लॉन्चिंग बेस से लॉन्च किया गया था। इस टेलिस्कोप को नासा, यूरोपियन स्पेस एजेंसी और कैनेडियन स्पेस एजेंसी ने तैयार किया है। इस पर करीब 75 हजार करोड़ रुपए का खर्च आया है।

यह दुनिया का सबसे ताकतवर टेलिस्कोप है। इसकी क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह अंतरिक्ष से धरती पर उड़ रही चिड़िया को भी आसानी से डिटेक्ट कर सकता है। यह प्रोग्राम अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा इंटरनेशनल स्पेस साइंस प्रोजेक्ट है। इसका नाम नासा के दूसरे हेड 'जेम्स वेब' के नाम पर रखा गया है। नासा ने इस टेलिस्कोप में समय के साथ कई एडवांस टेक्नोलॉजी जोड़ी हैं। इससे ब्रह्मांड के कई रहस्य सामने आ सकते हैं। जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप 1990 में भेजे गए हबल टेलिस्कोप के मुकाबले 100 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। इसके जरिए ब्रह्मांड के शुरूआती काल में बनी गैलेक्सी, उल्कापिंड और ग्रहों का पता लगाया जा सकता है। यह टेलिस्कोप ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने के साथ ही एलियन की मौजूदगी का भी पता लगाएगा। इसके जरिए वैज्ञानिक ब्रह्मांड के कई अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने की कोशिश करेंगे।

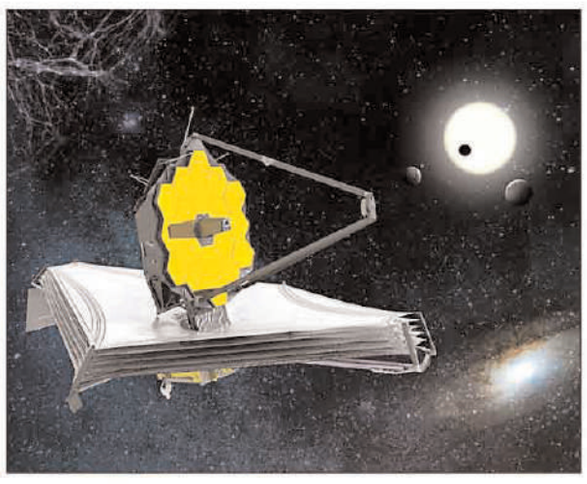

महिला ने चार करोड़ में करा डाली चालीस बार सर्जरी

अब दोबारा चाहती है असली चेहरा

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ब्राजील में जन्मीं 29 साल की जेनिफर पैंपलोना, अमेरिकन मॉडल और रिएलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियान की डाय हार्ड फैन हैं। वो किम को तब से प्यार करती हैं जब वो छोटी थीं। किम जैली लगने के लिए महिला ने 40 सर्जरी करवा ली। किसी का फैन होना, उसके जैसे कपड़े पहनना, चलना एक बात है, मगर उसकी तरह दिखने की ख्वाहिश रखना बेहद अजीबोगरीब चीज है जो लोग अक्सर दीवनगी में करने लगते हैं। इसके लिए कई लोग अपने चेहरे या शरीर के अन्य हिस्सों की सर्जरी भी करवाने लगते हैं। ऐसा ही कुछ ब्राजील की एक मॉडल ने भी किया जो अपनी फेवरेट मॉडल की तरह दिखना चाहती थी। इसके लिए उसने करोड़ों रुपये खर्च कर दिया मगर अब वो दोबारा अपना असली चेहरा अपनाना चाहती है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ब्राजील में जन्मीं 29 साल की जेनिफर पैंपलोना, अमेरिकन मॉडल और रिएलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियान की डाय हार्ड फैन हैं। वो किम को तब से प्यार करती हैं जब वो छोटी थीं। किम जैसा दिखने की उनकी सनक ऐसी थी कि उन्होंने सिर्फ अपना पहनावा ही नहीं, लुक भी किम की तरह करने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए।

पहले जैसा चेहरा पाने के लिए खर्च कर चुकी है लाखों रुपये

रिपोर्ट के अनुसार जेनिफर ने किम जैसी दिखने के लिए 12 सालों में 40 से ज्यादा सर्जरी करवाई जिसके लिए उन्होंने 4 करोड़ रुपये से ज्यादा दिए। साल 2010 में जब वो 17 साल की थीं तब उन्होंने पहली सर्जरी करवाई। उस दौरान किम कार्दशियान अमेरिकन टीवी जगत का बड़ा नाम बनने की कगार पर थीं। पहली सर्जरी के बाद उन्होंने जैसे सर्जरी करवाने का भूत चढ़ गया।

उन्होंने बट इंप्लांट करवाया, फैट इंजेक्शन्स लगवाए, होंठ, गाल, नाक से लेकर अपने आप को पूरी तरह से बदल लिया। धीरे-धीरे जब उन्होंने इतनी सर्जरी करवा ली तो लोग उन्हें किम कार्दशियान की हमशक्ल कहने लगे जो उन्हें बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। उनकी असली पहचान कहीं खो गई। उनके इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए थे मगर वो सब सिर्फ इसलिए जुड़ते थे क्योंकि वो किम जैसी दिखती हैं। धीरे-धीरे जेनिफर को एहसास हुआ कि उन्हें सर्जरी कराने की लत लग चुकी है। तब उन्होंने अपने पुराने चेहरे को हासिल करने का मन बनाया। उन्होंने इस्तानबुल में एक डॉक्टर खोजा और नाक, फैट रिमूवल, चेहरे, गले आदि से जुड़ी सर्जरी को एक बार में करवा लिया जिसके लिए उन्हें 95 लाख रुपये तक खर्च करने पड़े। चेहरे को दोबारा पहले जैसा करवाने के दौरान उन्हें इंफेक्शन भी हो गया था जिसके बाद उनके चेहरे से 3 दिन तक खून बहने लगा था। हालांकि, अब स्थिति काबू में है और वो रिकवर हो रही हैं।

भारतीय सिनेमा

महिषासुर का वध करने के लिए देवी पार्वती बनीं मां दुर्गा

इंदौर। एण्डटीवी के बाल शिव में एक और रोचक घटना होने वाली है, जहां दर्शकों को माँ दुर्गा (शिव्या पठानिया द्वारा अभिनीत) के रौद्र रूप को देखने का मौका मिलेगा जोकि महिषासुर (पंकज कुमार) का वध करेंगी। महिषासुर के वध से कहानी में एक दिलचस्प मोड़ आएगा। जब महिषासुर सुमति (साची तिवारी) का अपहरण करता है, तब बाल शिव (आन तिवारी) क्रोधित हो जाते हैं और उसे मारने का निर्णय करते हैं। हालांकि, बाल शिव महिषासुर को मार नहीं सकते, क्योंकि उसे ब्रह्म देव का वरदान मिला हुआ है, कि कोई पुरूष उसे नहीं मार सकता, बल्कि एक महिला ही उसका विनाश कर सकती है। देवी कात्यायनी (तृषा आशीष सरदा) के रूप में जन्म लेने वाली देवी पार्वती उसे मारने के लिये माँ दुर्गा बन जाती हैं। कहानी के इस हिस्से के बारे में बात करते हुये देवी पार्वती की भूमिका निभा रहीं शिव्या पठानिया ने कहा, महिषासुर अहंकारी है और महिलाओं का शोषण करता है। जब उसे पता चलता है कि देवी पार्वती ने उसे मारने के लिये जन्म लिया है, तब वह सुमति समेत सभी महिलाओं का अपहरण कर लेता है। भृंगी कात्यायन को बताते हैं कि भगवान शिव की पूजा किये बिना प्रसन्न नहीं रहा जा सकता, क्योंकि शिव और शक्ति एक ही हैं। इसलिये कात्यायन शिवलिंग की पूजा करने लगते हैं। जब बाल शिव सुमति को महिषासुर के बंधन से मुक्त कराते हैं, तब कात्यायनी अमरनाथ गुफा में जाती हैं और पार्वती बन जाती है। उन्हें वह दृश्य दिखते हैं, जब महादेव ने उन्हें अयोग्यता के कारण जन्म-जन्मांतर तक मिलन और बिछोह के बारे में बताया था। जब वह उन दृश्यों से बाहर आती हैं, उन्हें महिषासुर को मारने के लिये कात्यायन की आवाज सुनाई देती है और वह क्रोधित हो जाती हैं। वह शेर की सवारी करके विंध्याचल पर्वत पर पहुँचती हैं और महिषासुर को मारने की घोषणा करती हैं। उनके बीच भयंकर युद्ध होता है और आखिरकार देवी पार्वती उसे मार देती हैं। उनका चरित्र बहुत शक्तिशाली है और इसके लिये कई अभिव्यक्तियों पर काम करना पड़ता है, विशेषकर भयंकर होने का। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे एक ही शो में देवी पार्वती के कई अलग रूप दिखाने का मौका मिला, जिनमें बड़ी विविधता थी और मैंने काफी कुछ सीखा भी। इसके माध्यम से मुझे न केवल देवी पार्वती के कई पहलूओं को अनुभव करने और खोजने का मौका मिला, बल्कि मैंने उनके चरित्र से बहुत कुछ सीखा, जैसे कि साहसी होना और अपने दम पर खड़ा होना। महिषासुर की भूमिका निभा रहे पंकज कुमार ने कहा कि मैंने भारतीय टेलीविजन पर कई किरदार निभाए हैं और हर किसी से बहुत कुछ सीखने का अनुभव मिला है।

हसीना की शादी कराने की योजना बना रहा अमर

मुंबई। इस हफ्ते सोनी सब का सबसे लोकप्रिय शो मैडम सर एक आकस्मिक मोड़ ले रहा है, क्योंकि हसीना और करिश्मा की दोस्ती दांव पर लगी है। महिला पुलिस थाने में बहुत कुछ चल रहा है और हसीना इस बार भावनात्मक तौर पर अपनी सबसे बुरी स्थिति में है। एक पुराने मामले को लेकर हसीना (गुल्की जोशी) और करिश्मा (युक्ति कपूर) के बीच शीत युद्ध चल रहा है और दोनों ने एक-दूसरे से मुँह फेर रखा है। इन दोनों के बीच ऐसा बमुश्किल ही होता है। दोनों केवल जरूरी बातें कर रही हैं और खुद को काम में व्यस्त रख रही हैं। दोनों अपने बीच किसी भावना को जगह नहीं दे रही हैं। उनकी दोस्ती में एक नया फीकापन है। पुष्पा और टीम सोचती है कि एक दिली मुलाकात से इसका हल हो सकता है, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए किसी को समझ नहीं आ रहा है कि दोनों के बीच बातचीत कैसे शुरू करवाई जाए। इस बीच, अमर (सवि ठाकुर) सोच रहा है कि थाने पर हुकूमत करने के लिये उसके पास यह आखिरी मौका है। वह गुप्त तरीके से हसीना की माँ के पास पहुँचता है और उन्हें हसीना का दूल्हा बनने लायक सही लड़कों के बारे में बताता है। दूसरी ओर, हसीना भावनात्मक रूप से बहुत परेशान है और उसकी जिन्दगी में यह नया झमा होने से उसका और उसके हुनर का अंत हो जाएगा। इन परेशानियों के बीच वह अपने लिये आदर्श दूल्हे से मिलने की बात पर क्या प्रतिक्रिया देगी? क्या यह हसीना और करिश्मा की दोस्ती का अंत है? जानने के लिये बने रहिये। हसीना मलिक की भूमिका निभा रहीं गुल्की जोशी ने कहा, हसीना न केवल एक आदर्श सीनियर के तौर पर करिश्मा को गाइड करती रही है, बल्कि उसकी एक बहुत अच्छी दोस्त भी रही है। उसे लगा कि करिश्मा ने उसके ऑर्डर्स को सिरे से खारिज कर दिया, जिससे उनके कामकाजी रिश्ते और दोस्ती में तनाव आ गया है। उनकी दोस्ती को सभी ने पसंद किया है और उन्होंने दर्शकों के लिये महिलाओं के बीच मजबूत दोस्ती का बेंचमार्क सेट किया है। लेकिन अब इस दोस्ती के बीच गलतफहमियों ने जगह बना ली है। यह हसीना के लिये काफी मुश्किल होने वाला है और आने वाले एपिसोड्स को देखना वाकई दिलचस्प होगा। करिश्मा सिंह की भूमिका निभा रहीं युक्ति कपूर ने कहा, करिश्मा और हसीना का रिश्ता हमेशा से सुर्खियों में रहा है। महिलाओं को आमतौर पर एक-दूसरे के प्रति बदले की भावना रखने वाला दिखाया जाता है, लेकिन हसीना और करिश्मा इससे बिलकुल उलट रही हैं। उन दोनों का मजबूती के साथ एक-दूसरे से कंधा मिलाना बेहद प्रेरक है। इस आकस्मिक स्थिति ने सभी को चिंता में डाल दिया है। करिश्मा अंदर से नाखुश है, भावनात्मक रूप से टूट चुकी है। देखते हैं कि दोनों की किस्मत में आगे क्या होता है।

प्रभास और पूजा 'राधे श्याम' में बिखेरेंगे जलवा

इंदौर। जब दो ऐसे लोग एक दूसरे से टकराते हैं, जिनका आपस में कोई मेल ना हो, तो यकीनन एक करिश्मा होता है। एंड पिक्चर्स ऐसे ही दो लोगों की कहानी लेकर आया है, जिनमें से एक किस्मत में यकीन रखता है जबकि दूसरा तर्क और विज्ञान के नियमों पर चलता है। एंड पिक्चर्स अपनी सैटरडे प्रीमियर पार्टी में हर शनिवार नई फिल्मों के प्रीमियर लेकर आता है। इसी कड़ी में इस शनिवार प्रभास और पूजा हेगड़े अपनी शानदार लव स्टोरी 'राधे श्याम' के साथ हमारा मनोरंजन करेंगे। तो आप भी देखिए कि विक्रमादित्य और डॉक्टर प्रेरणा के बीच एक प्यारी-सी दिल्लगी से शुरू हुई यह कहानी कैसे उस मुकाम पर पहुंच जाती है, जहां दोनों अपनी किस्मत से लड़ते हैं।ये कहानी 1970 के यूरोप की है, जिसमें मनमोहक और शानदार नजारे हैं। राधे श्याम में बड़ी खूबसूरती से पुराने जमाने को दर्शाया गया है और इसे बड़ा आकर्षक स्वरूप दिया गया है। इसमें फैंटेसी और ड्रामा के साथ रोमांस परवान चढ़ता है। राधे श्याम प्यार का जुनून दिखाती है। इसमें कभी ना भूलने वाला रोमांस है, जो न सिर्फ आपको आकर्षित करेगा, बल्कि ये फिल्म अपनी रोमांचक कहानी और किरदारों के साथ आपके अंदर भावनाओं का तूफान पैदा कर देगी। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए प्रभास ने कहा, मुझे लगता है कि यदि आप बिना रुके अपने लक्ष्य की दिशा में मेहनत करते हैं, तो आपकी किस्मत का लिखा पूरा करने के लिए सारी स्थितियां आपके साथ हो जाती हैं। और मैं ऐसा इसलिए कह सकता हूं क्योंकि कुछ अनजानी परिस्थितियों की वजह से 'राधे श्याम' के शूट शेड्यूल कई बार रुके, लेकिन हमने अंततः यह फिल्म पूरी कर ली। सच कहूं तो मुश्किलें तो थीं, लेकिन इस फिल्म को लेकर मेरा उत्साह जरा भी कम नहीं हुआ, क्योंकि यह एक ताजगी भरी कहानी थी, जिसमें एक ताजातरीन किरदार था, जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया था। इसलिए मैंने उस दौर में ढलने के लिए खूब तैयारियां की और आखिरी तक अपना उत्साह बनाए रखा। राधे श्याम वाकई एक ऐसा सफर था, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। विक्रम एक बदनाम हस्तरेखा विज्ञानी है और प्रेरणा एक डॉक्टर है। दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं लेकिन फिर भी एक दूसरे से आकर्षित हो जाते हैं। हालांकि जब जिंदगी उनके सामने उलझनें पैदा करती है, तो विक्रम प्रेरणा से अलग हो जाता है। लेकिन आगे चलकर जब एक बार फिर वो दोनों एक दूसरे से मिलते हैं, तो किस्मत के सामने एक सवाल खड़ा हो जाता है। और सवाल यह है कि क्या वो आगे खुशी-खुशी जिंदगी बिता सकते हैं?

हंसगुल्ले

मंटू डॉक्टर के पास मेडिकल चेकअप करवाने गया.
डॉक्टर ने मंटू का पूरा चेकअप किया फिर बोला- बहुत दुख भरी खबर है. आपकी एक किडनी फैल हो गई है.
यह सुनकर मंटू रोने लगा बहुत ही रोया.
डॉक्टर ने काफी समझाया, तब जाकर कहीं शांत हुआ.
फिर बोला- ये तो बता दीजिये डॉक्टर साहब कि मेरी किडनी आखिर कितने नंबर से फेल हुई?

स्टूडेंट से टीचर ने पूछा, एक साल में कितनी रात्रि होती है?
स्टूडेंट-10 रात्रि
टीचर- 10 कैसे बताओ ?
स्टूडेंट- 9 नवरात्रि और एक शिवरात्रि
टीचर कोमा में है अब तक!

टीचर : भोलू तुम परिंदों के बारे में सब जानते हो?
भोलू : जी हां...
टीचर : जरा बताओ कौन-सा परिंदा उड़ नहीं सकता?
भोलू : टीचर, वो मरा हुआ परिंदा...!!

16 को डीआईओएस कार्यालय पर शिक्षक संघ करेगा प्रदर्शन

प्रखर गाजीपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में शनिवार को विकास भवन स्थित डीआईओएस कार्यालय पर प्रदर्शन करने की रणनीति तय की।जनपदीय पदाधिकारियों कार्यकारिणी सदस्य तथा सक्रिय कार्यकताओं ने गुरुवार को दर्जनों विघालयों का दौरा कर शिक्षकों को लामबंद किया गया। प्रदेश कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य चौधरी दिनेश चन्द्र राय ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का निस्तारण कराना संगठन के पदाधिकारियों कार्यकताओं का दायित्व है। श्रीराय ने कहा कि सरकार सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के प्रति उदासीन है और पूर्व प्रेषित ज्ञापन की मांगों पर कोई कार्यवाही नही कर रही है, जबकि शिक्षकों ने कोरोना आदि की विषम परिस्थितियों में सरकार को पूरा सहयोग किया। सरकार के उदासीन रवैये को देखते हुए प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा निर्णय लिया गया है कि 16 जुलाई को संघर्ष के पहले चरण में प्रदेश के सभी जिलाविद्यालय निरीक्षक कार्यालयों में धरना देकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किए जाए और कार्यवाही न होने पर अगले चरणों के संघर्ष की घोषणा की जाएगी। 17 सूत्रीय ज्ञापन की मागों में पुरानी पेन्शन की बहाली,वित्त विहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन एवं सेवा शर्तें, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, वंचित तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण आदि प्रमुख हैं। श्री राय ने शिक्षकों से अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए संगठन को मजबूत करने की अपील की। शिक्षकों को बताया कि शिक्षकों ने संघर्ष और संगठन की ताकत के माध्यम से वेतन वितरण अधिनियम, चयन बोर्ड अधिनियम और सेवा सुरक्षा जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन उपलब्धियों को अक्षुण्ण रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। राय ने बताया कि अभी तक 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते की किस्त का भुगतान नहीं किया गया है। कक्ष निरीक्षक और बोर्ड परीक्षा के पारिश्रमिक का भुगतान भी लंबित है। इस पर गुस्सा जताया और संघर्ष का आह्वान किया। कहा कि बिना संघर्ष के कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है. अतः 16 जुलाई को पूरी शक्ति के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय में एकत्रित होकर जय-जयकार करें। राज्य नेतृत्व के आह्वान पर गुरुवार को जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों की लम्बित मांगों के समर्थन में दर्जनों स्कूलों का दौरा किया। 16 जुलाई को होने वाले धरने में बड़ी संख्या में शिक्षकों से उपस्थित रहने की अपील की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि पुरानी पेंशन की बहाली, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, सभी प्रकार के अवशेषों का भुगतान, स्थानांतरण प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाना, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों के लिए सेवा नियम बनाना और समान कार्य के लिए समान वेतन आदि. धरना मांगों को लेकर 16 जुलाई को सुबह 12 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में आयोजित की जाएगी। नारायण उपाध्याय, डॉ रियाज अहमद, अमित कुमार राय, रत्नेश कुमार राय, कुँअर अविनाश गौतम, सूर्य प्रकाश राय, मनोज कुमार सिंह, उमेश चन्द्र राय, सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय, रविन्द्र नाथ तिवारी आदि शामिल रहे।

मुठभेड़ में दो अपराधी गिरफ्तार

प्रखर गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्रे के निर्देशन में जनपद में सघन चेकिंग अभियान रात्रि 11 बजे से 2 बजे तक चलाये जाने के आदेश के अनुपालन में थाना जंगीपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र के यादव मोड़ पर बैरिकेटिंग कर रात में चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान जब सफेद अपाचे से आ रहे दो व्यक्तियों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो दोनों व्यक्ति पुलिस टीम पर फायर कर बाइक मोड़ते हुए भागने लगे। उनके द्वारा चलाई गई गोली से थानाध्यक्ष जंगीपुर बाल बाल बचे और गोली मोबाईल वाहन में जा लगी। तत्काल थानाध्यक्ष द्वारा उन व्यक्तियो का पीछा किया गया और कंट्रोल रूम को अवगत कराया गया। कंट्रोल रूम के आदेश होने के पश्चात क्षेत्र में भ्रमणशील स्वाट टीम द्वारा आलम पट्टी चौराहे की तरफ से जाकर बदमाशों की घेराबन्दी करने का प्रयास किया गया। थानाध्यक्ष जंगीपुर द्वारा कंट्रोल रूम को बताया गया कि बदमाश बघोल पुलिया की तरफ जा रहे हैं। स्वाट टीम व जंगीपुर थाना टीम से घिर जाने के उपरान्त बदमाश बघोल पुलिया के पास से दूसरी तरफ जाना चाहे कि बाईक फिसल कर गिर गई जिसपर बदमाश पुलिस टीम पर फायर करते हुए पैदल ही भागने लगे। पुलिस टीम के आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में बदमाश संजीश उर्फ अन्नू पुत्र रामाश्रय राम निवासी महुआरी थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर के बायें पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा जबकि दूसरे साथी संदीप कुमार पुत्र मुराहू राम निवासी बोगना थाना मरदह जनपद गाजीपुर को मौके से भागते समय पुलिस टीम द्वारा आवश्यक बल प्रयोग कर गिरफ्तार कर लिया गया।

घायल अभियुक्त को जिला सदर अस्पताल मे भर्ती कराया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में संजीश उर्फ अन्नू पुत्र रामाश्रय राम निवासी महुआरी थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर एक शातिर अपराधी है जिस पर पाक्सो एक्ट व गैंगस्टर एट्ट सहित नौ मुकदमें दर्ज हैं। वहीं संदीप कुमार पुत्र मुराहू राम निवासी बोगना थाना मरदह जनपद गाजीपुर पर तीन मुकदमें दर्ज हैं।

पुलिस ने अभियुक्त संजीश के पास से एक पिस्टल .32 बोर,एक जिंदा कारतूस,दो खोखा कारतूस तथा अभियुक्त संदीप कुमार के पास से एक तमंचा 315 बोर,एक जिंदा कारतूस,चोरी के ग्यारह सोलर पैनल व सफेद रंग की अपाचे बाईक बरामद किया है।

घायल अभियुक्त के उपचारोपरांत पुलिस मामले की कानूनी कारवाई करते हुए उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेंज दिया गया।

शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष जंगीपुर अशोक कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक अनूप यादव, आरक्षीगण विनय नायक, बबलू गोड,बजरंगबली व सदानन्द यादव-थाना जंगीपुर गाजीपुर और स्वाट टीम प्रभारी उपनिरीक्षक रामाश्रय राय,उपनिरीक्षक सुनील कुमार तिवारी,मुख्य आरक्षी सुजीत कुमार, आरक्षी प्रमोद सरोज, राकेश सोनकर, अजय प्रसाद, सतीश कुमार तथा आशुतोष सिह शामिल रहे।

हाथी ने उफनती गंगा में भी नहीं छोड़ा महावत का साथ

हाजीपुर (आईएएनएस)। बिहार के वैशाली जिले में हाथी को अपने महावत का साथी बनने का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उफनती गंगा में एक हाथी तैरता और उसकी पीठ पर महावत बैठा दिख रहा है। बताया जाता है कि यह वीडियो वैशाली जिले का है। बताया जाता है कि मंगलवार को महावत हाथी को लेकर राघोपुर क्षेत्र गया था। उसके बाद रुस्तमपुर घाट (गंगा नदी) से वह हाथी के लेकर वापस पटना के लिए लौट रहा था, तभी अचानक गंगा का पानी बढ़ गया। इसके बावजूद हाथी ने हिम्मत नहीं हारी और महावत को पीठ पर बैठाए सुरक्षित तैर कर निकल गया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि नदी के बीच में कई बार हाथी पानी में डूब गया, लेकिन उफनती गंगा में उसने महावत का साथ नहीं छोड़ा। हाथी महावत को अपनी पीठ पर बैठाए दूसरे किनारे तक पहुंच गया। बताया जाता है कि हाथी करीब दो किलोमीटर तैरकर पटना की ओर रहुई घाट पर निकल गया। इस दौरान नाव से जा रहे कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बारिश के मौसम में राज्य की नदियां उफान पर हैं।

मानसून में पीएं रिहाइड्रेटिंग पेय

नई दिल्ली (आईएएनएस लाइफ)। नम दोपहर में, एक गिलास रिहाइड्रेटिंग ड्रिंक से बढ़कर कुछ नहीं हैं। कुछ घूंटों के बाद, आप फिर से मौसम के राक्षस का सामना करने के लिए तैयार हैं। जैसे ही भारत में मानसून का मौसम शुरू होता है, मुझे यकीन है कि हम बारिश के दिनों, मिट्टी की महक और स्वादिष्ट नाश्ते का आनंद लेंगे। लेकिन, यह मत भूलिए कि बदलते मौसम का हमारे शरीर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सबसे आम मुद्दों में से एक जो हम देखते हैं वह है निर्जलीकरण। नतीजतन, हमने रेडी-टू-ड्रिंक रीहाइड्रेटिंग पेय पदार्थों की एक सूची तैयार की है, जिन्हें आपको इस मानसून के मौसम में आजमाना चाहिए।

तरबूज का जूस

तरबूज का रस कीचड़ भरे मौसम में हाइड्रेटेड और तरोताजा रहने का एक और शानदार तरीका है। इसमें विटामिन ए, बी 6, बी 1 और सी होता है, जो कई फायदे प्रदान करता है। तरबूज में 90 प्रतिशत पानी होता है, जो इसे एक बेहतरीन हाइड्रेशन ड्रिंक बनाता है। इसमें बहुत सारे अमीनो एसिड, एंटीआक्सिडेंट और लाइपोसीन भी होते हैं।

नारियल पानी

आपके लिए वह नारियल पानी एक पौष्टिक पेय है जिसमें कैलोरी और कार्ब्स कम होते हैं। नारियल पानी में प्राकृतिक विटामिन और खनिज प्रचुर मात्रा में होते हैं। नतीजतन, यह गर्मी और मानसून के मौसम के दौरान एक उत्कृष्ट हाइड्रेशन पेय है। यह पेय आपकी कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा को न्यूनतम रखते हुए आपको हाइड्रेट करता है।

इलेक्ट्रोलाइट पेय

इलेक्ट्रोलाइट एक खनिज है जो हमारे शरीर के जल स्तर को बनाए रखने में सहायता करता है। वे रक्त, ऊतकों, अंगों आदि में पाए जा सकते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पेय में पानी, इलेक्ट्रोलाइट्स (आमतौर पर सोडियम और पोटेशियम), और पानी सभी तत्व होते हैं। ये पेय ज्यादातर पानी हैं क्योंकि उनका मुख्य उद्देश्य पुनर्जलीकरण करना है।

स्मूदी

स्मूदी इलेक्ट्रोलाइट युक्त खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने का एक और शानदार तरीका है। स्मूदी में फल, बीज, सब्जियां, मेवे आदि जैसे संपूर्ण खाद्य पदार्थ होते हैं, जो हमारे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। यदि आप खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स को स्वस्थ और पौष्टिक तरीके से बदलना चाहते हैं तो आपको इस पेय को चुनना चाहिए।

सफलतापूर्वक लगा सूअर का हृदय

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका में शल्य चिकित्सकों ने सूअर के आनुवंशिक रूप से संवर्धित हृदय का मृत मस्तिष्क वाले मनुष्यों में सफलतापूर्वक प्रतिरोपण किया है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि यह प्रयोग जीवित रोगियों में इस तरह की सर्जरी नियमित तौर पर करने के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में एक प्रगति है। 'एक्सनोट्रांसप्लांट्स' के रूप में जानी जाने वाली सर्जरी 16 जून और छह जुलाई को न्यूयार्क यूनिवर्सिटी (एनवाईयू) लैंगोन के टिश अस्पताल में की गई। एनवाईयू लैंगोन प्रतिरोपण संस्थान में हृदय प्रतिरोपण के शल्य निदेशक नादेर मोआजमी ने सैकड़ों मील दूर एक प्रतिष्ठान से प्राप्त हृदय का उपयोग करके जांच प्रक्रियाओं का नेतृत्व किया। प्रतिरोपण सर्जरी कई घंटे तक चली और तीन दिनों तक हृदय क्रिया की निगरानी की गई। पहला 'हार्ट एक्सनोट्रांसप्लांट' 19 जून, 2022 को और दूसरा नौ जुलाई, 2022 को पूरा हुआ। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि किसी भी अंग में शुरुआती अस्वीकृति का कोई संकेत नहीं दिखा और हृदय ने प्रतिरोपण के बाद दी जाने वाली सामान्य मानक दवाओं के साथ तथा अतिरिक्त यांत्रिक मदद के बिना काम किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयोग जीवित रोगियों में इस तरह की सर्जरी नियमित तौर पर करने के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में एक प्रगति है।

गर्मी बढ़ने से बिगड़ता है मानसिक स्वास्थ्य

लंदन (द कन्वरसेशन)। गर्मी के थपेड़ों का हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भारी प्रभाव पड़ता है। डाक्टर आमतौर पर उनसे डरते हैं, क्योंकि गर्मी बढ़ने पर आपातकालीन कक्ष जल्दी ही निर्जलीकरण, ताप और वेहोशी से पीड़ित रोगियों से भर जाते हैं। हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि किसी दिए गए स्थान के लिए सामान्य तापमान सीमा से 5 प्रतिशत तक बढ़ने या उससे अधिक होने पर अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में कम से कम 10 प्रतिशत मरीजों की वृद्धि होती है। मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति वाले लोगों में बढ़ते तापमान भी लक्षणों को बदतर बना सकते हैं। गर्मी - साथ ही बाढ़ और आग जैसी अन्य मौसम की घटनाओं को अवसाद से पीड़ित लोगों में रोग के लक्षणों में वृद्धि और सामान्य चिंता एवं आवेश विकार वाले लोगों में रोग के लक्षणों में वृद्धि से जोड़ा गया है।

बढ़ते तापमान का आत्महत्या की घटनाओं के साथ भी एक रिश्ता

हर रोज बढ़ते तापमान का आत्महत्या तथा आत्महत्या के प्रयासों की घटनाओं के साथ भी एक रिश्ता है। और, मोटे तौर पर, मासिक औसत तापमान में प्रत्येक एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर, मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मौतों में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि होती है। सापेक्षिक आर्द्रता में चुभने वाली गर्मी के कारण भी आत्महत्या की घटनाएं अधिक होती हैं। आर्द्रता और तापमान दोनों मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप बदल रहे हैं । द्विध्रुवीय विकार वाले लोगों में आवेश के दौरों में वृद्धि से जुड़े हुए हैं। बीमारी की यह स्थिति भारी नुकसान का कारण बनती है और इसके परिणामस्वरूप मनोविकृति और आत्महत्या के विचारों के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है।

आगे की समस्याएं इस तथ्य से उत्पन्न होती हैं कि मानसिक बीमारी के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली महत्वपूर्ण दवाओं की प्रभावशीलता गर्मी के प्रभाव से कम हो सकती है। हम जानते हैं कि कई दवाएं गर्मी से संबंधित मौत के जोखिम को बढ़ाती हैं, उदाहरण के लिए, एंटीसाइकोटिक्स, जो प्यास को दबा सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप लोग निर्जलित हो जाते हैं। कुछ दवाएं शरीर के तापमान के आधार पर अलग तरह से काम करेंगी और उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि व्यक्ति कितना निर्जलित है, जैसे लिथियम, एक बहुत ही शक्तिशाली और व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला मूड-स्टेबलाइजर, जिसे अक्सर द्विध्रुवी विकार वाले लोगों के लिए निर्धारित किया जाता है।

धुंधली सोच, आक्रामक व्यवहार

गर्मी मानसिक स्वास्थ्य और बिना मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले लोगों के सोचने और तर्क करने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है। अनुसंधान से पता चलता है कि जटिल संज्ञानात्मक कार्यों को तैयार करने और हल करने के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क के क्षेत्र गर्मी के तनाव से प्रभावित होते हैं। बोस्टन में छात्रों के एक अध्ययन में पाया गया कि हीटवेव के दौरान बिना एयर कंडीशनिंग वाले कमरों में संज्ञानात्मक परीक्षणों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से जूझ रहे लोगों ने उनके साथियों की तुलना में 13 प्रतिशत खराब प्रदर्शन किया था और 13 प्रतिशत धीमी प्रतिक्रिया समय था। गर्मी की वजह से जब लोग स्पष्ट रूप से नहीं सोच पाते हैं, तो इस बात की बहुत संभावना है कि वे निराश हो जाएंगे, और यह बदले में आक्रामकता का कारण बन सकता है।

हिंसक अपराध में वृद्धि के साथ अत्यधिक गर्मी को जोड़ने के पुख्ता सबूत हैं। यहां तक ?कि परिवेश के तापमान में एक या दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से भी हमलों में 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। 2090 तक, यह अनुमान लगाया गया है कि वैश्विक स्तर पर सभी अपराध श्रेणियों में 5 प्रतिशत तक की वृद्धि के लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार हो सकता है। इन वृद्धि के कारणों में मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और जैविक कारकों का एक जटिल अंतः संबंध शामिल है।

फिल्म निर्देशित करना चाहते हैं रणबीर

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड के राकस्टार रणबीर कपूर का कहना है कि वह फिल्म निर्देशित करना चाहते हैं। रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'शमशेरा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। रणबीर कपूर का कहना है कि वह एक फिल्म निर्देशित करना चाहते हैं, और इस फिल्म को आलिया भट्ट प्रोड्यूस कर सकती हैं। रणबीर कपूर ने कहा, मैंने अनुराग बसु के साथ मिलकर जग्गा जासूस को प्रोड्यूस किया था, मेरे पास कोई एक्सपीरियंस नहीं था। मैंने उस फिल्म को एक अभिनेता के तौर पर प्रोड्यूस किया था। इसलिए अभी तक मैंने निर्माता के तौर पर काम नहीं किया है, लेकिन हां मैं हमेशा से एक फिल्म निर्देशित करना चाहता हूं। मैंने इस लाकडाउन में एक स्टोरी भी लिखी है। कहानी मुझे काफी पसंद आई, लेकिन मुझे लिखना नहीं आता। इसलिए मैं अपनी स्टोरी को लोगों के साथ शेयर करुंगा और उनके साथ एक फिल्म बनाउंगा। प्रोडक्शन से ज्यादा मैं निर्देशन करना चाहता हूं। मेरी पत्नी आलिया एक बहुत अच्छी प्रोड्यूसर हैं, तो हो सकता है कि वो मेरी फिल्म प्रोड्यूस करे।

पायल को अपना उपनाम बदलने को नहीं कहेंगे संग्राम

मुंबई (आईएएनएस)। टीवी अभिनेत्री पायल रोहतगी और पहलवान संग्राम सिंह नौ जुलाई को आगरा में शादी के बंधन में बंध गए। संग्राम ने कुछ सामाजिक मानदंडों को तोड़ने का फैसला किया और कहा कि वह समानता में विश्वास करते हैं और कभी भी पायल को अपना उपनाम बदलने के लिए नहीं कहेंगे। यही उसकी पहचान और उसकी पसंद है। शादी एक महिला को पुरुष के प्रति विध्वंसक नहीं बनाती है। उन्होंने यह भी साझा किया कि, उन्होंने शादी में टोकन के रूप में सिर्फ एक रुपया लिया। मैं पूरी तरह से दहेज के खिलाफ हूं। यह मुझे परेशान करता है जब लड़के दुल्हन के परिवार से पैसे, उपहार और कार मांगते हैं। मेरी शादी में मैंने केवल एक रुपया लिया है। माता-पिता अपने बच्चों को पालने में इतना खर्च करते हैं और फिर उनसे दहेज मांगना पूरी तरह से गलत है। मैं अपने माता-पिता से शादी के खर्च के लिए भी कुछ नहीं ले रहा हूं। हम यह सब खुद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा ही होना चाहिए। मैं अपने फैंस से इस उदाहरण का अनुसरण करने का अनुरोध करूंगा। पायल और संग्राम 2011 में रियलिटी शो, 'सर्वाइवर इंडिया' की शूटिंग के दौरान मिले और फिर दोनों में प्यार हो गया। उन्होंने फरवरी 2014 में सगाई कर ली।

जाह्नवी कपूर 'गुड लक जेरी' के लिए सीख रही बिहारी बोली

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म 'गुड लक जेरी' के लिए बिहारी बोली सीख रही हैं। यह फिल्म गुड लक जेरी एक युवा लड़की, जैरी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती हुई, फिल्म उसके संघर्षों को एक साथ के ऊपर है कैसे कैसे करके वह अपने जीवन में आगे बढ़ती है और अपनी मां को बीमारी से बचाने के लिए कितना कुछ करती है। फिल्म में जान्हवी को दीपक डोबरियाल, मीता वशिष्ठ, नीरज सूद और सुशांत सिंह सहित एक शानदार पहनावा के साथ विनम्र लेकिन किरकिरा चरित्र के रूप में दिखाया गया है। जाह्नवी कपूर ने इस फिल्म में भारत के एक छोटे से शहर की एक साधारण लड़की जैरी की भूमिका निभाई, जिस शहर का उन्होंने प्रतिनिधित्व किया, उसकी इस भूमिका के लिए बोली को समझना महत्वपूर्ण था। जाह्नवी ने फिल्म के लिए अपने उच्चारण पर टिप्पणी करते हुए कहा, मैंने बिहारी बोली के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण लिया। हमारे पास गणेश सर और मिस्टर विनोद नाम के कुछ कोच थे। हमने एक कार्यशाला में भाग लिया और उन सभी गीतों को सुना, उन्होंने मुझसे एक काम भी करवाया। अभ्यास करते थे जिसमें वह मुझे प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में बिहारी गाली देने के लिए कहते थे। आखिरकार पूरी प्रक्रिया में बहुत मजा आया। मैं अपने देश के उस वर्ग के वाक्य-विन्यास को जानने के लिए बहुत आभारी हूं। सिद्धार्थ सेन द्वारा निर्देशित और आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शंस, लाइका प्रोडक्शंस और महावीर जैन द्वारा निर्मित यह फिल्म 29 जुलाई को डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज होगी।

कोहली चिरंजीवी के गानों पर करते थे डांस, रूममेट ने किया खुलासा

हैदराबाद (आईएएनएस)। भारत के पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर द्वारका रवि तेजा ने हाल ही में विराट कोहली के साथ अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडियो पर साझा किया। छह साल के अंतराल के बाद दोनों की मुलाकात हुई, इस दौरान उन्होंने क्रिकेटर के लिए एक नोट भी लिखा, जो दिखाता है कि दोनों ने एक-दूसरे को 'चिरू' के रूप में संदर्भित किया। द्वारका रवि तेजा ने दावा किया कि विराट कोहली अंडर 15 दिनों के दौरान उनके रूममेट थे और दोनों अक्सर तेलुगू स्टार चिरंजीवी के गानों पर डांस करते थे। रवि तेजा ने बताया कि वे एक दूसरे को चिरू कहकर बुलाते थे। द्वारका रवि तेजा ने लिखा, ब्रिटेन में छह साल बाद उनसे मुलाकात हुई और जब हम एक-दूसरे से मिले तो हमने चिरू कहकर एक-दूसरे को पुकारा। अंडर-15 दिनों में हम रूममेट थे और मैं टीवी पर चिरंजीवी के गाने देखता था और उनके साथ उस गाने पर झूमते थे। रवि ने समझाया, तब से हमने कभी एक-दूसरे को अपने नाम से नहीं बुलाया। हम लोग एक दूसरे को चिरू कहकर बुलाते थे। रवि तेजा का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। चिरंजीवी के प्रशंसक विराट कोहली की रवि तेजा के साथ दोस्ती के बारे में जानने के लिए उत्साहित दिखे।

28 दिन में दोबारा हो सकता है कोरोना संक्रमण

मेलबर्न (द कन्वरसेशन)। ढाई बरस से कोविड से बचे रहने का मेरा दंभ पिछले सप्ताह धड़ाम से जमीन पर आ गया, जब एक संदेश के जरिए मुझे बताया गया कि मैं महामारी की ताजा लहर में इसका शिकार बन चुका हूं। मेरा मामला सात महीनों में तीसरी ओमिक्रोन लहर के बढ़ते मामलों में से है, जो वर्तमान में पूरे आस्ट्रेलिया में मौजूद है। बीमारी की चपेट में आने के बावजूद, मैंने आशावादी रूप से सोचा था कि कम से कम मुझे अब महीनों तक अलगाव की सावधानियों और परीक्षण से छुटकारा मिलेगा। लेकिन उभरते हुए सबूत इस बात के गवाह हैं कि बीमारी के नए उपप्रकार बहुत कम समय के भीतर दोबारा आपको अपनी चपेट में ले सकते हैं।

विशेषज्ञों ने संक्रमण के बाद की सुरक्षात्मक खिड़की को 12 सप्ताह से घटाकर 28 दिन कर दिया है। इस हफ्ते, न्यू साउथ वेल्स, पश्चिमी आस्ट्रेलिया और आस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र की सरकारों ने घोषणा की कि जिन लोगों को पहले कोविड हो चुका है, उन्हें लक्षणों का अनुभव होने पर 28 दिनों के बाद परीक्षण करने की आवश्यकता होगी। यदि सकारात्मक हैं, तो उन्हें नए मामलों के रूप में माना जाएगा।

पुनः संक्रमण एक पूर्व संक्रमण से उबरने के बाद सार्स-कोव-2 (वायरस जो कोविड का कारण बनता है) के लिए सकारात्मक परीक्षण जारी है।

संक्रमित हो सकते हैं : सार्स-कोव-2 स्पाइक प्रोटीन के कई नए उत्परिवर्तन के कारण ओमिक्रोन सबवेरिएंट्स की प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित होने वाली विशेषताओं के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। प्री-ओमिक्रोन, कोविड के एक प्रकार (अल्फा, बीटा, डेल्टा) के संक्रमण ने लंबे समय तक चलने वाली क्रास-वेरिएंट प्रतिरक्षा दी। इसने लक्षण वाले संक्रमण से प्रभावी सुरक्षा भी प्रदान की। हालांकि, 2021 के अंत में ओमिक्रान बीए.1 सबवेरिएंट के उद्भव के साथ सब कुछ बदल गया, अध्ययन से पता चला कि पूर्व संक्रमण से मिलने वाली सुरक्षा में कमी आई, जो मजबूत एंटीबाडी प्रतिक्रियाओं से जुड़ा था। कुछ महीने आगे बढ़ें और हम देख सकते हैं कि शुरुआती ओमिक्रोन सबवेरिएंट्स (बीए.1, बीए.2) से संक्रमित होने के बाद हम उसके अन्य समान प्रकारों (बीए.4, बीए.5) से भी संक्रमित हो सकते हैं।

क्या दोबारा संक्रमण हो सकता है

वूस्टर शाट कुछ मामूली सुरक्षा प्रदान करते हैं। जबकि कुछ (दुर्भाग्यशाली) लोग कम समय सीमा (90 दिनों से कम) के भीतर पुनः संक्रमित हो गए, यह असामान्य प्रतीत होता है और अधिकतर युवाओं और बिना टीकाकरण वाले लोगों से संबंधित है। लब्बोलुआब यह है कि आने वाले वर्षों में एक कोविड संस्करण से संक्रमित होने या फिर से संक्रमित होने से बचना मुश्किल होगा।

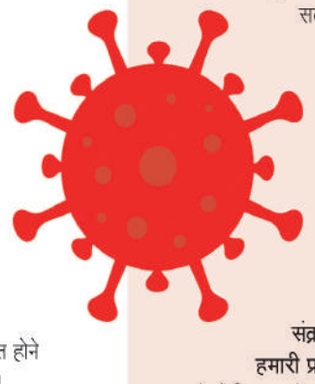

पिछले संक्रमण के प्रति हमारी प्रतिक्रिया : हम जानते हैं कि कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को पुनः संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है (या वास्तव में लगातार संक्रमण लौट आता है)। यूके के बड़े कोविड संक्रमण सर्वेक्षण से पता चलता है कि सामान्य आबादी में, जो लोग बिना किसी लक्षण वाले संक्रमण की सूचना देते हैं या जिनके पीसीआर स्वैब पर उनके पूर्व संक्रमण के साथ वायरस की कम सांद्रता होती है, उनके लक्षणों या उच्च वायरल सांद्रता वाले लोगों की तुलना में पुनः संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है।

टीकाकरण की स्थिति : एक नए अध्ययन से पता चलता है कि एमआरएनए टीकाकरण (जैसे फाइजर और माडर्न) की दूसरी खुराक के छह महीने बाद, सभी ओमिक्रोन सबवेरिएंट के खिलाफ एंटीबाडी का स्तर मूल (वुहान) तनाव की तुलना में काफी कम हो जाता है। यानी, वैक्सीन की सबवेरिएंट्स के साथ संक्रमण से बचाने की क्षमता वायरस के मूल तनाव की तुलना में अधिक तेजी से गिरती है।

संक्षिप्त खबरें

निसान की नई कार

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया ने बुधवार को अपने माडल मैग्नाइट का 'रेड' संस्करण उतारा है जिसकी कीमत 7.86 लाख रुपए से शुरू है। नया संस्करण माडल के 'एक्सवी' वेरियंट पर आधारित है। यह वाई-फाई कनेक्टिविटी और आठ इंच के ट्यचस्क्रीन के साथ-साथ अन्य आधुनिक तकनीकों एवं सुविधाओं से लैस है। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक राकेश श्रीवास्तव ने एक बयान में कहा, 'निसान मैग्नाइट रेड संस्करण की वजह से इस माडल की मांग और बढ़ेगी। नए संस्करण की कीमत 7.86 से 9.99 लाख रुपए के बीच है।

सिग्नेचर का आईपीओ

नई दिल्ली। जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 1,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। मंगलवार को जमा किए गए दस्तावेज के अनुसार, आईपीओ के तहत 750 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी के प्रवर्तक एवं निवेशक 250 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश लाएंगे।

वेदास के नए उत्पाद

नई दिल्ली। आयुर्वेदिक हेल्थकेयर कंपनी वेदास क्योर ने दो उत्पाद, स्किन हीलिंग और कैशोर गुग्गुलु पेश किए, जो त्वचा संबंधी समस्याओं और रक्त रोगों के उपचार के लिए हैं। स्किन हीलिंग का रक्त शोधक के रूप में कार्य करता है। कैशोर गुग्गुलु रक्त से संबंधित बीमारियों जैसे कि बढ़ा हुआ यूरिक एसिड, गाउट गठिया, मुंहासे, घाव, मांसपेशियों में ऐंठन, मोच और पेट से संबंधित समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। यह एक बहुउद्देश्यीय, जेनेरिक आयुर्वेदिक टैबलेट है जो पाचनतंत्र को भी ठीक करता है। यह जानकारी कंपनी के संस्थापक और निदेशक विकास चावला ने दी।

टीसीएस का नवाचार केंद्र

बेंगलुरु। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने टोरंटो में अपने पांचवे वैश्विक अनुसंधान और सह-नवाचार केंद्र 'टीसीएस पेस पोर्ट टोरंटो' का उद्घाटन किया। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 16,000 वर्ग फुट में फैला 'पेस पोर्ट टोरंटो' कंपनियों को नवीनतम तकनीकों तक पहुंच प्रदान करता है। इसके साथ ही टीसीएस अनुसंधान प्रयोगशालाओं, स्टार्ट-अप, वीसी, उद्यमियों और टोरंटो विश्वविद्यालय जैसे अकादमिक संस्थानों, न्यूयॉर्क, पीट्सबर्ग, एम्सर्डम और टोक्यो में 'पेस पोर्ट्स' के टीसीएस नेटवर्क के जरिए "अलग सोच" भी प्रदान करता है।

ऑडी की नई कार लांच

उदयपुर। लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी ने भारत में अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करते हुए ए8 एल माडल का नया संस्करण बाजार में उतारा है जिसकी कीमत 1.29 करोड़ रुपए रखी गई है। जर्मनी की कंपनी ने माडल की चौथी पीढ़ी के दो संस्करण उतारे हैं जो हैं सेलिब्रेशन एडिशन और टेक्नोलॉजी, इनकी कीमत क्रमशः 1.29 करोड़ रुपए और 1.57 करोड़ रुपए रखी गई है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा, 'हम इन कारों के जरिए पसंद के अनुरूप सुविधा देने पर ध्यान दे रहे हैं जिससे कि ग्राहक के लिए हर एक इकाई अलग और अनोखी हो। इस मॉडल में तीन लीटर का पेट्रोल इंजन है और यह महज 5.7 सेकेंड में शून्य से 100 किमी की रफ्तार पकड़ सकती है।(एजेंसियां)

घर में दफ्तर जैसी सुविधाएं भी चाहते हैं खरीदार

■ घर के बाहर खुली जगह व हरियाली भी चाहते हैं होम बायर्स ■ कोविड महामारी के बाद घर लेने वालों की बदलीं प्राथमिकताएं

नई दिल्ली (भाषा)।

कोविड-19 महामारी के बीच काम करने का हाइब्रिड माडल काफी लोकप्रिय हो गया है। ऐसे में अब 70 प्रतिशत घर खरीदार अपने आवास में कार्यालय के 'सेटअप' की स्थापना को महत्वपूर्ण मानते हैं। एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है। गोदरेज प्रापर्टीज लिमिटेड ने बुधवार को सर्वे रिपोर्ट 'होमलिवेबिलिटी फैक्टर्स' जारी की है।

इस सर्वे में 792 महिलाओं और 1,217 पुरुषों यानी कुल 2,009 लोगों की राय ली गई है। सर्वे कोविड-19 महामारी की शुरुआत के साथ घर खरीदार की प्राथमिकताओं में आए बदलाव को रेखांकित करता है।

सर्वे के मुताबिक, लगभग 80 प्रतिशत घर खरीदार मानते हैं कि उनका रहने का ठिकाना ऐसा होना चाहिए जहां वे अपने शारीरिक स्वास्थ्य और मानिसक स्वास्थ्य को दुरुस्त रख सकें। वहीं 80 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि उनके घर के बाहर खुली जगह और हरियाली होनी चाहिए।

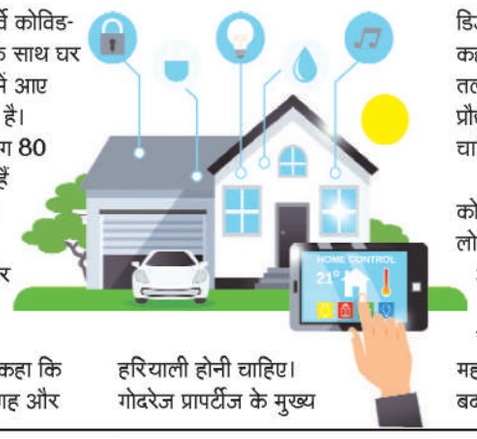

गोदरेज प्रापर्टीज के मुख्य डिजाइन अधिकारी राकेश कुमार ने कहा, 'घर खरीदार अब स्मार्ट घरों की तलाश में हैं। यह घर न केवल प्रौद्योगिकी की दृष्टि से बेहतर होना चाहिए बल्कि सुरक्षित भी होना चाहिए।'

गोदरेज प्रापर्टीज ने कहा कि कोविड-19 महामारी से पहले बहुत से लोगों का झुकाव किराए के आवास की ओर था क्योंकि घरों को सिर्फ आराम करने और रहने की जगह के रूप में माना जाता था। लेकिन महामारी के बाद इस मानिसकता में बदलाव आया है। अब घर एक निवास स्थान है, जो घर खरीदारों की विविध आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।

कोविड महामारी के बाद वर्क फ्राम होम की सुविधा काफी तेजी से अमल में लाई गई। कई कंपनियां अभी तक अपने कर्मचारियों को घर से ही काम करने की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं जिसके चलते स्मार्ट होम की मांग बढ़ी है। मुंबई स्थित गोदरेज प्रापर्टीज देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से है। इसकी दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु के संपत्ति बाजारों में बड़ी उपस्थिति है।

इंटरनेट पर विज्ञापनों के लिए स्पेस की बिक्री पर 18 फीसद जीएसटी

नई दिल्ली (भाषा)।

अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) की कर्नाटक पीठ ने व्यवस्था दी है कि इंटरनेट पर विज्ञापनों के लिए स्पेस की बिक्री पर 18% जीएसटी लगेगा।

मिंत्रा डिजाइंस ने एएआर से पूछा था कि उसके पोर्टल पर विदेशी कंपनी लेनिजंग सिंगापुर पीटीई लिमिटेड को विज्ञापन के लिए जगह देने पर क्या जीएसटी देय होगा। एएआर ने कहा कि जेनिजंग को मिंत्रा जो सेवा प्रदान कर रही है वह 'इंटरनेट स्थल की बिक्री' है और इसके लिए वह तय दर पर शुल्क ले रही है। इसके लिए कमीशन नहीं लिया जा रहा। इसलिए इसपर 18% जीएसटी देय होगा।

सेंसेक्स 372 अंक टूटा

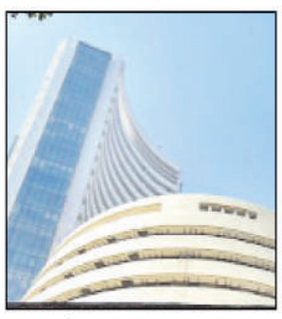

मुंबई (भाषा)। यूरोपीय बाजारों के कमजोर रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और सेंसेक्स 372 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 372.46 अंक यानी 0.69 प्रतिशत गिरकर 53,514.15 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टाक का निफ्टी भी 91.65 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15,966.65 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में मजबूती पर खुला और दिन चढ़ने के साथ यह 54,211.22 अंक की ऊंचाई तक पहुंच गया। लेकिन यह अपनी बढ़त को कायम नही रखा पाया और यूरोपीय बाजारों के नरम पड़ने से 750 अंक तक लुढ़क गया। अंत में यह 53,514.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, टाइटन और एचसीएल टेक्नोलॉजीज सर्वाधिक नुकसान में रही। वही हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और नेस्ले फायदे के साथ बंद हुईं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू अर्थव्यवस्था के मजबूत वृहद आंकड़ों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भारतीय सूचकांक बढ़त के साथ खुले थे लेकिन यूरोपीय बाजारों के नकारात्मक रुख ने इनकी तेजी को रोक दिया। अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़े आने से पहले वैश्विक बाजारों में बिकवाली का जोर रहा।' एशिया के बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में हल्की गिरावट दर्ज हुई। यूरोप के बाजारों में दोपहर के सत्र में गिरावट देखी जा रही थी। अमेरिकी बाजार भी मंगलवार को सुस्त रहे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड एक प्रतिशत बढ़कर 100.5 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों का भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला जारी है।

नीट परीक्षा देने वाली महिलाओं को होटल किराए में छूट मिलेगी

नई दिल्ली (भाषा)।

ओयो ने 'नीट-2022' की परीक्षा देने वाली महिला अभ्यर्थियों को होटल किराए में विशेष छूट देने की घोषणा की है।

ओयो ने बुधवार को बयान में कहा कि परीक्षा केंद्रों के लिए अलग-अलग जगहों पर यात्रा करने वाली महिलाओं को होटल कमरे के किराए में 60 प्रतिशत तक की रियायत दी जाएगी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) देशभर के 497 शहरों में अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर 17 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में 18 लाख से अधिक परीक्षार्थियों के भाग लेने की उम्मीद है।

आतिथ्य प्रौद्योगिकी कंपनी ओयो के अनुसार, यह विशेष छूट 16 और 17 जुलाई दो दिन के लिए मान्य रहेगी। यह छूट हासिल करने के लिए महिला अभ्यार्थी ओयो के ऐप पर छूट कोड 'एनईईटीजेएफ' डालकर रियायत पा सकती है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 19% की वृद्धि

■ सेमीकंडक्टर की आपूर्ति सुधरने से पटरी पर आ रहा है उत्पादन

■ डीलरों को कारों की आपूर्ति में हुआ सुधार ■ डीलरों को दुपहिया की भी पर्याप्त आपूर्ति

नई दिल्ली (भाषा)।

वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर आपूर्ति में सुधार के साथ जून में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ गई।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन 'सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स' (सियाम) की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, कार डीलरों को यात्री वाहनों की आपूर्ति जून 2022 में 19 प्रतिशत बढ़कर 2,75,788 इकाइयों पर पहुंच गई। जून 2021 में डीलरों को 2,31,633 इकाइयों की आपूर्ति हुई थी।

इसी तरह, दुपहिया वाहनों की थोक बिक्री या डीलरों को आपूर्ति पिछले महीने बढ़कर 13,08,764 इकाई पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वर्ष के समान महीने में 10,60,565 इकाई रही थी। इसके अलावा तिपहिया वाहनों की कुल थोक बिक्री भी आलोच्य महीने में उछलकर 26,701 इकाई हो गई। जून में यह आंकड़ा 9,404 इकाई का था।

आंकड़ों के अनुसार, पूरे यात्री वाहन श्रेणी की थोक बिक्री जून 2022 में सालाना आधार पर बढ़कर 16,11,300 इकाई रही, जो एक साल पहले के समान महीने में 13,01,602 इकाई रही थी।

इंडिगो, गोफर्स्ट और कर्मचारियों के बीच विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद

नई दिल्ली (भाषा)। डीजीसीए ने विमानन कंपनी इंडिगो और गोफर्स्ट के विमान रखरखाव से जुड़े कर्मचारियों के बीच कम वेतन को लेकर जारी विवाद के जल्द सुलझने की उम्मीद जताई है। नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि दोनों विमानन कंपनी के कई तकनीकी कर्मचारी अभी भी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए छुट्टी पर गए हुए है। हालांकि, इस दौरान दोनों कंपनियों का संचालन सामान्य बना हुआ है। डीजीसीए ने एक बयान में कहा, 'हम स्थिति पर नजर रखे हुए है। अभी तक संचालन सामान्य है। उम्मीद है, इसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।' सूत्रों के अनुसार इंडिगो ने इस तरह से छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि गो फर्स्ट के कुछ तकनीकी कर्मचारी जो पिछले तीन दिनों के दौरान बीमारी के लिए छुट्टी पर गए थे, उन्होंने एयरलाइन के प्रबंधन को ईमेल भेजकर अपना वेतन बढ़ाने के लिए कहा है। इससे पहले दो जुलाई को इंडिगो की करीब 55 प्रतिशत घरेलू उड़ानें देरी से उड़ी थी। बड़ी संख्या में कंपनी के चालक दल के सदस्यों ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अवकाश लिया था।

जीवनयापन के खर्च के संकट से महिलाएं ज्यादा प्रभावित

■ ईंधन और खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतों से पैदा हुआ है जीवनयापन के खर्च का संकट

जिनेवा (एपी)।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने बुधवार को वैश्विक श्रम शक्ति में बढ़ती लैंगिक असमानता की ओर इशारा करते हुए कहा कि ईंधन और खाद्य सामान की ऊंची कीमतों के कारण जीवनयापन के खर्च का संकट महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा।

डब्ल्यूईएफ ने कहा कि उम्मीद थी कि कोविड-19 संकट समाप्त होने के साथ स्त्री-पुरुष असमानता बढ़ने की वजह से जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हो जाएगी, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। डब्ल्यूईएम का अनुमान है कि अब दुनिया को स्त्री-पुरुष समानता को हासिल करने में अब 132 साल लगेंगे। पहले इसमें 136 वर्ष लगने का अनुमान था। डब्ल्यूईएफ का मानना है कि लैंगिक समानता के लिए चार मुख्य चीजों..वेतन और आर्थिक अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तीकरण पर ध्यान देना जरूरी है।

इस रिपोर्ट में आइसलैड को सबसे ज्यादा अंक मिले है। उसके बाद कुछ नॉर्डिक देशों और न्यूजीलैड का नंबर आता है। वहीं यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी 146 देशों की सूची में 10वें स्थान पर है। इसके अलावा सूची में अमेरिका 27वें, चीन 102वें स्थान और जापान 116वें स्थान पर है।

कम खर्च में घर बैठे कानूनी विवाद निपटाने की सुविधा देगी ज्यूपिटस

नई दिल्ली (भाषा)।

अब कानूनी विवादों के लिए वकीलों और अदालतों के चक्कर नही लगाने पड़ेंगे। दुनिया की पहली न्याय प्रौद्योगिकी कंपनी ज्यूपिटस जस्टिस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लि. ने कानूनी विवादों के शीघ्र और आसान समाधान के लिए एक डिजिटल न्यायिक मंच शुरू किया है। इसके जरिये कोई भी व्यक्ति या इकाई कारोबारी और दीवानी विवादों का समाधान कम खर्च में घर बैठे ही पा सकता है।

ज्यूपिटस आनलाइन कानूनी एवं न्यायिक सेवा उपलब्ध कराने का प्रौद्योगिकी मंच है। यह रियल एस्टेट नियामकीय प्राधिकरण (रेरा), विद्युत विनियामक आयोग जैसे संस्थानों को डिजिटल मंच के विकास में मदद करने के साथ 'ऑनलाइन न्यायिक सेवा 'मार्केटप्लेस' भी है, जो कानूनी विवादों में फंसे लोगों और विवाद समाधान पेशेवरों को जोड़ता है। ज्यूपिटस जस्टिस टेक्नोलॉजीज के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रमन अग्रवाल ने एक बातचीत में कहा, 'हमने लोगों को 'आनलाइन' न्याय सुलभ कराने के मकसद से दुनिया का पहला न्यायिक प्रौद्योगिकी मंच विकसित किया है।

म्यूचुअल फंड वितरक भर्ती अभियान शुरू

मुंबई (भाषा)।

एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने अपने महत्वाकांक्षी म्युचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर भर्ती अभियान 'करें शुरू' की शुरुआत की है।

इस अभियान में उद्यमी आकांक्षाओं वाले व्यक्तियों के लिए लंबी अवधि की कमाई क्षमता के साथ एक करियर विकल्प के रूप में म्युचुअल फंड वितरण की आवश्यकता और उसके प्रति आकर्षण बढ़ाने को दर्शाया गया है। संगठन ने आज यहां जारी बयान में कहा कि जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों चाहे वे नए कॉलेज स्नातक हों, ग्रामीण भारत के व्यक्ति हों, मध्यकैरियर पेशेवर हों या छोटे व्यवसाय के मालिक और उद्यमी हों ने एक पेशे के रूप में म्युचुअल फंड वितरण का विकल्प चुना है। यह उत्पादक आय क्षमता की संभावना के साथ आकर्षक करियर विकल्प को प्रस्तुत करता है, जो न केवल उनके लिए फायदेमंद है, बल्कि यह उन्हें समाज के सदस्यों से बेहतर संबंध का निर्माण करने में भी मदद करता है, जिसमें वह म्युचुअल फंड वितरक के तौर पर काम करते हैं।

इस अभियान में कामकाज के मौकों की तलाश कर रही इच्छुक महिलाओं, सेवानिवृत्त पेशेवरों, उद्यमी नए स्नातकों और उद्यमशीलता की आकांक्षाओं वाले व्यक्तियों को लक्षित किया गया है।

एएमएफआई के अध्यक्ष ए. बालासुब्रमण्यिन ने कहा, 'भारतीय म्युचुअल फंड उद्योग में 2030 से पहले एयूएम में 100 लाख करोड़ रुपए को पार करने की क्षमता है। अभी सिर्फ 1.25 लाख म्युचुअल फंड वितरकों के साथ, मध्यस्थों की पहुंच सीमित है।

केंद्र ने राज्यों के बजट से इतर लिए गए कर्ज के समायोजन को नियमों में ढील दी

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्र ने राज्यों के बजट से इतर (आफ बजट) लिए गए कर्ज के समायोजन को लेकर नियमों में ढील दी है। इसके तहत पिछले वित्त वर्ष की इस प्रकार की देनदारी को अगले चार साल यानी मार्च, 2026 तक उनकी कर्ज सीमा में समायोजित किया जा सकता है। इस कदम से राज्यों के पास संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी और वे चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण में उसका उपयोग कर सकेंगे।

केंद्र ने राज्यों के वित्त में पारदर्शिता लाने के लिये मार्च में उन्हें सूचित किया था कि बजट से इतर कर्ज को राज्यों के अपने ऋण के बराबर किया जाना है। वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में सरकारों द्वारा जुटाए गये ऐसे किसी भी कोष को कर्ज सीमा के बाहर समायोजित करने की आवश्यकता होगी। 'आफ बजट' उधारी से आशय ऐसे ऋण से है जो राज्य सरकार की इकाइयां, विशेष उद्देश्यीय इकाई आदि लेती है। इसमें मूल राशि और ब्याज का भुगतान कर्ज लेने वाली इकाइयों को प्राप्त होने वाले राजस्व के बजाय राज्य सरकार के अपने बजट से किया जाता है। इस प्रकार का कर्ज राज्यों के लिये वित्त वर्ष में निर्धारित शुद्ध ऋण सीमा से बाहर होता है।

ईंधन में एथेनाल मिश्रण को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण

शिलांग (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली ने कहा है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईंधन में एथेनाल मिश्रण को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ईंधन के आयात को कम करने में मदद मिलेगी।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री तेली ने कहा कि मेघालय और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में तेल और प्राकृतिक गैस का अन्वेषण जल्द शुरू होगा और केंद्र सरकार ऊर्जा आवश्यकताओं के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में 10 फीसद एथेनाल मिश्रण के लक्ष्य को लेकर काम सही दिशा में बढ़ रहा है।

मंत्री ने शिलांग में एक कार्यक्रम में कहा, 'देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईंधन में एथेनाल मिश्रण को बढ़ाना आवश्यक है और इससे ईंधन आयात को कम करने में भी मदद मिलेगी।'

तेली ने कहा कि इससे किसान एथेनाल आपूर्ति में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे जिससे उनकी भी आय बढ़ेगी।

नई आस्ट्रेलियाई सरकार का भारत के साथ हुए व्यापार समझौते को समर्थन

नई दिल्ली (भाषा)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आस्ट्रेलिया में नई सरकार भारत के साथ हुए कारोबारी समझौते का समर्थन करती है और इस समझौते को मंजूरी दिलाने के लिए वह जल्द ही संसद का रूख करेगी।

अप्रैल में 'भारत-आस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। यह आस्ट्रेलियाई संसद से मंजूरी के बाद लागू होगा। गोयल ने कहा, 'मैंने ब्रेन फारेल से मुलाकात की है, वह आस्ट्रेलिया की नई सरकार में व्यापार मंत्री है। उन्होंने पुष्टि की है कि ईसीटीए को जल्द ही संसद में ले जाया जाएगा, वे इस समझौते का समर्थन करते हैं।

पुराने चाय, काफी, मसाला कानून रद्द होंगे

■ ये कानून रद्द होने से किसानों को होगा फायदा ■ कारोबार सुगमता बढ़ाने में मिल सकेगी मदद

नई दिल्ली (भाषा)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि चाय, काफी, मसाला और रबड़ से जुड़े पुराने कानूनों को निरस्त करने तथा नए विधेयक लाने का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना तथा छोटे किसानों की मदद करना है।

वाणिज्य मंत्रालय ने मसाला (संवर्धन और विकास) विधेयक, 2022, रबड़ (संवर्धन और विकास) विधेयक, 2022, काफी (संवर्धन और विकास) विधेयक, 2022 और चाय (संवर्धन और विकास) विधेयक, 2022 पर संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श किया है। इसका उद्देश्य नए विधेयकों को लेकर उनकी चिंताओं को दूर करना था।

वाणिज्य विभाग ने कहा कि वह चाय अधिनियम 1953, मसाला बोर्ड अधिनियम 1986, रबड़ अधिनियम 1947 और काफी अधिनियम 1942 को निरस्त करने का प्रस्ताव कर रहा है। नए कानून लाने के उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा, 'ये बहुत पुराने कानून है।

नए कानून बनाने के पीछे सोच उन्हें सरल और कारोबार के लिहाज से सुगम बनाना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि काफी और चाय क्षेत्र से जुड़े लोगों को अधिक अनुपालन बोझ का सामना न करना पड़े।' उन्होंने कहा, 'हमारा विभिन्न पक्षों के साथ विचार-विमर्श अच्छा रहा है और हम उन्हें इसको लेकर संतुष्ट करने में सफल रहे है।'

यह पूछे जाने पर कि क्या इन विधेयकों को संसद के मानसून सत्र में पेश किया जा सकता है, गोयल ने कहा कि इस बारे में अभी अंतिम निर्णय नही हुआ है। नए कानून के मसौदों को वाणिज्य मंत्रालय की वेबसाइट पर डाला गया है। मंत्रालय का कहना है कि नए कानून मौजूदा वास्तविकताओं और उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करेंगे।

वनडे सीरीज में अजेय बढ़त बनाने उतरेगा भारत

दूसरे वनडे में भी विराट के खेलने पर संशय, इंग्लैंड करना चाहेगा वापसी

लंदन। पहले मुकाबले में बड़ी जीत के बाद आत्मविश्वास से ओत-प्रोत भारतीय टीम लार्ड्स में दूसरे एकदिवसीय में जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त बनाने के इरादे से उतरेगी। विराट कोहली का ग्रोइन की चोट के कारण इस मैच में भी खेलना संदिग्ध है। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह दूसरे मैच के लिए फिट हैं या नहीं। ऐसे में प्लेइंग-11 में बदलाव की उम्मीद कम है।

इससे पहले रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने टी20 सीरीज 2-1 से जीती थी। भारत और इंग्लैंड के बीच इंग्लैंड में 9 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली जा चुकी है। इंग्लैंड को6 सीरीज में जीत मिली, जबकि भारतीय टीम दो बार सीरीज जीतने में सफल रही। एक सीरीज ड्रॉ रही। ऐसे में भारतीय इंग्लैंड में तीसरी बार सीरीज जीतना चाहेंगी। अंतिम बार दोनों के बीच 2018 में यहां सीरीज खेली गई थी, तब इंग्लिश टीम को 2-1 से जीत मिली थी। दूसरे मैच में कोहली की उपलब्धता के बारे में पूछे जाने पर पहले मैच में भारत की जीत के हीरो रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा, मैं अंतिम टी20 मैच में नहीं खेला और वह (कोहली) मंगलवार नहीं खेला। मेरे पास उसकी चोट के बारे में अपडेट नहीं है। कोहली अगर शत प्रतिशत फिट हुए बिना वापसी के लिए जल्दबाजी करते हैं तो ग्रोइन की मांसपेशियों में खिंचाव बड़ी चोट में बदल सकता है। रोहित शर्मा और उनकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके गेंदबाजों को लार्ड्स की पिच से भी ओवल जैसी मदद मिलेगी। भारतीय टीम ने पहले वनडे में शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया था। पहले वनडे में सभी 10 विकेट भारतीय तेज गेंदबाजों ने झटके थे। जसप्रीत बुमराह ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं मोहम्मद शमी ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया था।

बल्लेबाजों पर होगा इंग्लैंड का दारोमदार

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इयोन मॉर्गन के बाद उन्हें इंग्लैंड की टी20 और वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया। भारत के खिलाफ पहले वनडे में भी वे कुछ कमाल नहीं कर सके। अंतिम 4 पारियों में उन्होंने 0, 4, 18 और 30 रन बनाए। इसके अलावा दूसरे ओपनर जेसन रॉय भी बुरी तरह फ्लॉप रहे हैं। पहले वनडे में जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स और जो रूट भी कमाल नहीं दिखा सके थे। ऐसे में टीम का दारोमदार बल्लेबाजों पर होगा। मोईन अली भी टी20 और वनडे सीरीज में अब तक अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। लॉर्ड्स की पिच आमतौर पर बल्लेबाजी की अनुकूल होती है, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा जैसे नए गेंदबाजों को इस मैदान के अनुसार खुद को ढालना होगा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में बुमराह बने विश्व के नंबर एक गेंदबाज

दुबई। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में छह विकेट चटकाने वाले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वनडे रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन के बाद बुमराह ने पांच स्थान की चढ़ाई की है और छठे से शीर्ष स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने ट्रेंट बोल्ट और शाहीन शाह अफरीदी को पछाड़ा जो अब क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। रोहित शर्मा ने पहले वनडे में नाबाद 76 रन बनाए और वह चौथे स्थान पर है। विराट कोहली उनसे एक रेटिंग अंक अधिक तीसरे स्थान पर हैं। बाबर आलम और इमाम उल हक की पाकिस्तानी जोड़ी क्रमशः नंबर एक और नंबर दो पर है। पहले वनडे में नाबाद 31 रन बनाने वाले शिखर धवन अब 12वें स्थान पर हैं। तीसरे टी20 में शतक लगाने वाले सूर्यकुमार यादव टी20 रैंकिंग में 44 स्थान चढ़कर नंबर 5 पर आ गए है और वह टी20 में भारत के शीर्ष बल्लेबाज हैं। वहीं टी20 सीरीज में सिर्फ दो मैच खेलकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने भुवनेश्वर कुमार टी20 के गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापस आ गए है और वह 8वें स्थान पर है। वह टॉप 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज है। जॉश हेजलवुड टी20 में शीर्ष गेंदबाज बने हुए हैं। वनडे की तरह टी20 में भी बाबर शीर्ष बल्लेबाज है।

पाकिस्तान को पछाड़कर वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा भारत

दुबई। इंग्लैंड पर 10 विकेट की बड़ी जीत के बाद भारत, पाकिस्तान से आगे निकलकर वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत के पास अब पाकिस्तान (106 अंक) से दो अंक अधिक 108 रैंकिंग अंक हैं। हालांकि भारत को यह बढ़त बरकरार रखने के लिए सीरीज के दो में से कम से कम एक मैच जीतने होंगे। न्यूजीलैंड 126 अंकों के साथ पहले और इंग्लैंड 122 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू जमीन पर 3-0 से सीरीज जीतने के बाद पाकिस्तान, भारत को पछाड़कर तीसरे स्थान पर आ गया था। भारत को अगले 15 दिनों में इंग्लैंड के खिलाफ दो और वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलने हैं। ऐसे में वह अपनी बढ़त को और बढ़ा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेलेगा दक्षिण अफ्रीका

मेलबर्न। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की एकदिवसीय श्रंखला से नाम वापस ले लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाली तीन मैचों की सीरीज 12 जनवरी 2023 से 17 जनवरी 2023 के बीच खेली जानी थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने इन मैचों को स्थगित करने का अनुरोध किया ताकि वे प्रोटियाज की नई घरेलू टी20 लीग से न टकराएं। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को कहा, महामारी के कारण पहले से ही कई आयोजन स्थगित हो चुके हैं, जिसमें अक्टूबर-नवंबर में होने वाला टी20 विश्व कप भी शामिल है। पहले से ही संकलित समय सारणी के कारण (एकदिवसीय) श्रंखला खेलने के लिये कोई अन्य तारीखें नहीं हैं। प्रोटियाज ने प्रभावी रूप से श्रृंखला से नाम वापस ले लिया है। मैच मई की क्वॉलीफिकेशन कट-ऑफ तिथि से पहले नहीं खेले जाएंगे इसलिए श्रंखला के 30 प्रतियोगिता अंक ऑस्ट्रेलिया को प्रदान किए जाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब बस आईसीसी की हामी का इंतजार है। एकदिवसीय श्रंखला से नाम वापस लेने के बाद 2023 क्रिकेट विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका के प्रत्यक्ष क्वॉलीफिकेशन की संभावना कम हो गई है।

अरुण लाल ने बंगाल क्रिकेट कोच पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता । पूर्व भारतीय बल्लेबाज और बंगाल क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अरुण लाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।सूत्रों के अनुसार, बंगाल को 2019-20 रणजी ट्रॉफी के फाइनल में ले जाने वाले कोच ने ईडन गार्डन में बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के संयुक्त सचिव स्नेहाशीष गांगुली से उनके आधिकारिक चेम्बर में मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा।उन्होंने कहा कि क्रिकेट से थकान के कारण वह बंगाल के कोच के पद से राहत चाहते हैं, हालांकि सीएबी ने अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। सूत्रों ने कहा कि सीएबी अध्यक्ष अभिषेक डालमिया इस समय शहर से बाहर हैं।बंगाल रणजी ट्रॉफी के इस सत्र में मध्यप्रदेश से सेमीफाइनल मैच हारकर बाहर हो गयी थी।

बड़ौदा की तरफ से खेलते नजर आएंगे रायुडू

हुड्डा को भी वापस लाने का प्रयास कर रहा टीम प्रबंधन

वड़ोदरा। आगामी घरेलू सीजन में अंबाती रायुडू बड़ौदा की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। रायडू एक प्रोफेशनल क्रिकेटर के तौर पर बड़ौदा की टीम से जुड़े हैं। आंध्र प्रदेश की टीम ने भी रायुडू को नो ऑबजेक्शन सर्टिफिकेट दे दिया है। भले ही रायुडू ने पिछले कुछ सालों में सिर्फ सफेद गेंद से क्रिकेट खेला है लेकिन बड़ौदा की टीम के लिए वह सभी फॉर्मेट में खेलने के लिए उपलब्ध हैं।

इससे पहले भी साल 2012 से 2014 तक रायुडू बड़ौदा की टीम के लिए खेल चुके हैं। हाल के वर्षों में रायुडू ने हैदराबाद, आंध्र और विदर्भ की टीम के लिए खेल चुके हैं। रायुडू के आने से बड़ौदा के बल्लेबाजी क्रम को काफी मजबूती मिलेगी। दीपक हुड्डा को भी बड़ौदा टीम प्रबंधन वापस लाने का प्रयास कर रहा है। दीपक साल 2020 में बड़ौदा की टीम को छोड़ कर चले गए थे। माना जाता है कि तब के कप्तान क्रुणाल पंड्या और दीपक के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। इसके बाद दीपक ने राजस्थान की टीम की तरफ से खेलते हुए बढ़िया प्रदर्शन भी किया। हालांकि इस साल के फरवरी माह से दीपक भारतीय टीम के सदस्य हैं और विभिन्न सीरीज में उनका चयन लगातार हो रहा है। इसके अलावा दीपक का लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में भी चयन हुआ था, जहां वह क्रुणाल के साथ खेल रहे थे। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के मुख्य कार्यकारी शिशिर हट्टंगडी ने कहा, जहां तक मुझे पता है, उन्होंने अपने मतभेदों को दूर कर लिया है। उन्होंने एक ही आईपीएल टीम के लिए एक साथ खेला और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके बीच जो भी समस्या थी उन्होंने उसे सुलझा लिया है। हालांकि हम हुड्डा की वापसी के प्रति आशान्वित हैं। हम निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि वह टीम में आएंगे या नहीं क्योंकि जब दीपक को एक टीम की जरूरत थी। राजस्थान ने उन्हें अपनी टीम में जगह दी थी। हमारी तरफ से हम एक प्रयास कर रहे हैं कि वह वापस टीम मे आ जाएं।

महिला हॉकी टीम ने जापान को हराया

विश्वकप में जीत के साथ समापन

एम्सटेलवीन। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच विश्वकप 2022 के अपने अंतिम मुकाबले में जापान को 3-1 हराकर जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। लेकिन टीम टूर्नामेंट में निराशाजनक नौवें स्थान पर रही। भारत की ओर से नवनीत कौर ने (30वें और 45वें मिनट में) दो गोल किए जबकि दीप ग्रेस एक्का (38वें मिनट में) ने एक गोल किया। वहीं, जापान की ओर से एकमात्र गोल यु एसाई (20वें मिनट) ने किया।

अभियान के अपने पहले चार मैचों में हार के कारण भारत की क्वॉर्टर फाइनल तक पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। हालांकि, कनाडा के खिलाफ शूटआउट से जीत और जापान के खिलाफ मिली सफलता के कारण भारतीय हॉकी टीम ने अपने विश्व कप अभियान को सकारात्मक रूप से समाप्त किया। दूसरे क्वॉर्टर में जापान ने 20वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर यू एसाइ के गोल के दम पर बढ़त बनाई नवनीत ने हाफ टाइम से ठीक पहले बराबरी का गोल दागा ।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को जीतने होंगे शेष चार मुकाबले

दुबई। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे और आखिरी टेस्ट में हरा दिया। इसके बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत पिछले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता था। हालांकि अभी वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उन्हें आगे दो टेस्ट बांग्लादेश के साथ खेलना है और चार टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के साथ खेलना है। अगर वह सभी टेस्ट जीतते हैं तो उनका अंक 68.05 फीसदी हो जाएगा। ऐसा होने से वह फाइनल तक पहुंच सकते हैं। अगर इन यह छह टेस्ट में से एक भी हारते हैं तो उनका अंक 62.05 फीसदी हो जाएगा। इसके बाद उन्हें दूसरे टीमें को परिणाम पर निर्भर होना पड़ेगा। अंक तालिका में 71.43 फ़ीसदी अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीका टॉप पर है और 70 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। इसके अलावा दूसरे टेस्ट को हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम अंक तालिका में पहले स्थान से खिसक गई है। श्रीलंका के पास अंक तालिका में फिलहाल 54.17 फीसदी अंक है। अगर वह फाइनल में पहुंचना चाहते हैं तो उन्हें और अंक बटोरने पड़ेंगे। उनकी टीम को इस डब्ल्यूटीसी साइकिल में चार और टेस्ट मैच खेलने हैं। घरेलू धरती पर ही वह पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरज खेलेंगे जो 16 जुलाई से शुरू हो रही है। अगर वह फाइनल में पहुंचने के प्रबल दावेदार बनना चाहते हैं तो उन्हें पाकिस्तान को 2-0 से हराना होगा। इसके अलावा उन्हें दो मैच न्यूजीलैंड के साथ भी खेलना है। उन्हें वहां कम से कम एक टेस्ट जीतना होगा। इसके बाद उनके पास 61.11 फीसदी अंक होंगे।

मेहुली और तुषार ने जीता मिश्रित युगल स्वर्ण पदक

निशानेबाजी विश्व कपः भारत ने अब तक जीते चार पदक

चांगवोन । भारत के मेहुली घोष और शाहू तुषार माने ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में हंगरी को हराकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्वर्ण पदक जीता।

वहीं विवान कपूर और भौनीश मेंदीरत्ता की भारतीय पुरुष ट्रैप टीम ने रजत पदक जीता। मेहुली और तुषार ने इस टूर्नामेंट का दूसरा स्वर्ण पदक जीतने के लिए एज्टर मेजारोस इस्तवान पेनी की हंगरी की जोड़ी पर 17-13 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने 60 शॉट्स क्वालीफिकेशन राउंड में 634.3 अंक के कुल स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज हंगरी ने 630.3 अंक बनाए। इस बीच, 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले अर्जुन बबुता और ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन की भारतीय जोड़ी क्वॉलीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद अगले दौर में जगह बनाने में नाकाम रही। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में, शिवा नरवाल और पलक ने कजाकिस्तान को 16-0 से हराकर कांस्य पदक जीता। शिवा और पलक ने क्वॉलीफिकेशन में कुल 574 के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक के प्लेऑफ के लिए क्वॉलीफाई किया था।

पुरुष ट्रैप टीम ने जीता रजत पदक

विवान कपूर और भौनीश मेंदीरत्ता की भारतीय पुरुष ट्रैप टीम ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में रजत पदक जीता। भारतीय टीम को स्लोवाकिया से स्वर्ण पदक मैच में 2-6 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय तिकड़ी ने 72-शॉट क्वालिफिकेशन राउंड में 213 अंकों के साथ शीर्ष स्कोर किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद स्लोवाकिया से सिर्फ एक आगे था। दूसरी ओर, भारतीय पुरुष और महिला राइफल टीम ने मेजबान कोरिया के साथ स्वर्ण पदक की भिड़ंत में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने क्रमशः 629.7 और 631.5 के साथ क्वॉलीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया।

सिंगापुर ओपनः सिंधु व प्रणय ने दूसरे दौर में जगह बनाई

परुपल्ली कश्यप और किदांबी श्रीकांत बाहर

कलांगी (एजेंसी)। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु और एचएस प्रणय ने बुधवार को यहां पहले राउंड में जीत हासिल कर सिंगापुर ओपन के दूसरे राउंड में जगह बनाई। सिंधु ने बेल्जियम की लियान टैन को 29 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया जबकि प्रणय ने थाईलैंड के सिथिकोम थम्मासिन को 21-13, 21-16 से सीधे गेमों में मात दी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु अगले दौर में वियतनाम की थुइ लिन एनगुएन से भिड़ेंगी जबकि प्रणय अगले दौर में तीसरे वरीय चोउ टिएन चेन से भिड़ेंगे।

वहीं लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने भी हमवतन मालविका बंसोड़ के खिलाफ 21-18, 21-14 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। 20 वर्षीय बंसोड़ ने इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दूसरे दौर में अपनी आदर्श नेहवाल को हराया था। इसी बीच, परुपल्ली कश्यप इंडोनेशिया के पांचवी सीड जोनाथन क्रिस्टी से 14-21, 15-21 से हारने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इससे पहले सिंधु ने धीमी शुरुआत की। वह 1-4 से पीछे थी लेकिन 7-7 के स्कोर पर बराबरी हासिल करने में सफल रही। भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक 11-8 से आगे थी और फिर उन्होंने आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। टैन ने लगातार तीन अंक के साथ बढ़त को कम किया लेकिन सिंधु को गेम और मैच जीतने में अधिक दिक्कत नहीं हुई।

मंजुनाथ और अश्मिता चालिहा ने किया बड़ा उलटफेर

भारत के मिथुन मंजुनाथ और अश्मिता चालिहा ने अपने अनुभवी प्रतिद्वंद्वियों को हराकर बड़ा उलटफेर किया। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत को हालांकि शुरुआती दौर में हमवतन मिथुन मंजुनाथ से 17-21, 21-15, 18-21 से करारी हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, विश्व में 66वें स्थान की खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने 12वें नंबर की शटलर बुसानन ओंगबामरुंगफान पर 21-16, 21-11 से दमदार जीत दर्ज की। यह मिथुन और चालिहा के करियर की पहली टॉप-15 जीत थी। दुनिया के 77वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ अगले दौर में आयरलैंड के एनहाट एनगुएन से भिड़ेंगे। चौबीस साल के मंजूनाथ ने श्रीकांत के खिलाफ पुरुष एकल मुकाबले में तेज शुरुआत करते हुए 6-2 की बढ़त बनाई। उन्होंने पूरे गेम के दौरान बढ़त बरकरार रखते हुए आसानी से पहला गेम जीत लिया। श्रीकांत ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बनाई और फिर बढ़त में लगातार इजाफा करते हुए गेम जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मंजूनाथ ने बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बनाई। श्रीकांत ने 16-15 के स्कोर पर बढ़त हासिल की लेकिन मंजूनाथ ने 18-18 के स्कोर पर लगातार तीन अंक के साथ गेम और मैच जीत लिया महिला एकल में दुनिया की 66वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने 5-10 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार आठ अंक के साथ बढ़त बनाई और फिर पहला गेम जीत लिया। असम की इस 22 साल की खिलाड़ी ने दूसरे गेम मे बेहतर शुरुआत करते हुए 7-2 की बढ़त बनाई। बुसानन ने स्कोर 6-7 किया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने लगातार नौ अंक के साथ जीत सुनिश्चित की।

श्रीकृष्ण धर्म ट्रस्ट ने किया यदुकुल शिरोमणि समागम व श्रीकृष्ण सम्मान समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी । श्रीकृष्ण धर्म ट्रस्ट के द्वारा मलदहिया स्थित एक होटल में14 जुलाई गुरुवार को यदुकुल शिरोमणि समागम व श्रीकृष्ण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया` समारोह के मुख्य अतिथि परमवीर चक्र से सम्मानित योगेंद्र सिंह यादव ने कहा की अहिर रेजीमेंट हक है हमारा और हमें गर्व है कि यादव समुदाय देश हित में अपने आप को बलिदान करने के लिए तत्पर है पूरे राष्ट्र में हम एक महा अभियान चलाने जा रहे हैं अहिर रेजीमेंट स्थापना के लिए` कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के पूर्व सभापति और राज्यसभा सदस्य चौधरी सुखराम सिंह ने कहा यदुकुल समाज के चौमुखी विकास के लिए हमें अपने निजी स्वार्थों को देखते हुए समाज के हित के लिए आगे आना होगा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीकृष्ण धर्म ट्रस्ट के अध्यक्ष और कार्यक्रम के आयोजक काली शंकर ने कहा कि यदुकुल के लोग राष्ट्रवादी सोच के लोग हैं और राष्ट्र के विकास में उनका अहम योगदान है परंतु दुर्भाग्य की बात है कि वर्तमान नेताओं ने यदुकुल के लोगों का केवल उपयोग कर उन्हें वोट बैंक में तब्दील कर दिया अब यह नहीं होगा हम सभी जाति धर्मों का सम्मान करते हुए यदुकुल के उत्थान के लिए समर्पित और संकल्पित हैं` कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित चौधरी हरमोहन सिंह यादव कल्याण समिति के अध्यक्ष चौधरी मोहित यादव ने कहा कि सभी संगठनों को संयुक्त होकर यदुकुल के विकास के लिए आगे आना होगा तभी यदुकुल का चौमुखी विकास होगा` कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में चौधरी हरमोहन सिंह कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष व प्रशिद्ध समाजसेवी चौधरी मोहित यादव, डॉक्टर के. एन. सिंह यादव सलाहकार पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार व पूर्व कुलपति रीवा विश्वविद्यालय, पोस्ट मास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव, बाल संरक्षण आयोग के सदस्य इंजीनियर अशोक यादव, पूर्व मेयर व सांसद प्रत्याशी शालिनी यादव, यादवेश कुमार सलाहकार, अशोक यादव अध्यक्ष गोवर्धन पूजा समिति, लाल जी चंद्रवंशी अध्यक्ष चंद्रवंशी गोप सेवा समिति, प्रोफेसर रजनीश कुंवर प्राचार्य हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज उपस्थित थे यदुकुल शिरोमणि समागम में संकल्प लेकर निम्नलिखित प्रस्ताव पास किए गए` बनारस हिन्दू विश्वविधालय के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले शेर- ए- बनारस बचऊवीर यादव की बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रतिमा लगाई जाये ।

नवागत शिक्षकों का हुआ परिचय सम्मान समारोह आयोजित

प्रखर जौनपुर। गाँधी स्मारक पीजी कालेज समोधपुर, में प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह 'रानू' के संरक्षकत्व में एवं प्राचार्य प्रो. बी. के. निर्मल की अध्यक्षता में आयोग द्वारा चयनित नवागत प्राध्यापकों का परिचय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो. बीके. निर्मल ने नवागत शिक्षकों जितेंद्र सिंह-हिंदी, विष्णुकांत त्रिपाठी-मनोविज्ञान, विकास कुमार यादव-समाजशास्त्र, डॉ नीलम सिंह एवं जितेंद्र सिंह-भूगोल विभाग को माल्यार्पण करके तथा डायरी एवं पेन देकर सम्मानित किया और कहा कि नए प्राध्यापक नई ऊर्जा के साथ महाविद्यालय के शैक्षिक उन्नयन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगें।महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ रमेश सिंह ने नए प्राध्यापकों को कॉलेज के गौरवशाली अतीत के बारे में बताया।पूर्व प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार पांडेय ने नए शिक्षकों को अनुशासित रहकर मनोयोग से अध्यापन कार्य करने की सलाह दी।चीफ प्रॉक्टर डॉ अरविंद कुमार सिंह ने नवागत शिक्षकों को कालेज में अपना सर्वोत्तम देने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ राकेश कुमार यादव ने किया तथा आभार

ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ लक्ष्मण सिंह ने दिया। इस अवसर पर डॉ अवधेश कुमार मिश्र, डॉ नीलमणि सिंह, डॉ अविनाश वर्मा, डॉ पंकज सिंह, डॉ लालमणि प्रजापति, डॉ आलोक प्रताप सिंह,डॉ वंदना तिवारी, डॉ सत्यप्रकाश सिंह, बिंद प्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, गंगा प्रसाद सिंह,डॉ संदीप सिंह,प्रीतेश सिंह,ध्रुव कुमार चौरसिया,ज्वाला प्रसाद, राजेश सिंह,शिवमंगल सोनी,मो.इदरीश एवं छात्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सफलता के लिए लक्ष्य का निर्धारण जरूरी - अल्तमश बर्लास

प्रखर शाहगंज जौनपुर। जीवन मे जितना शिक्षा का होना आवश्यक है उसी तरह जीवन मे सफल होने के लिए किसी लक्ष्य का होना भी आवश्यक है।बिना लक्ष्य निर्धारण के सफलता नही मिलती है। उक्त बातें क्षेत्र के आजाद उसरहटा स्थित मिर्जा अनवर बेग इंटर कालेज में आयोजित कैरियर काउंसलिंग एवं मोटिवेशनल कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि कैप्टन बरलास ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को सम्बोधित करते हुए कही। श्री बरलास ने आगे कहा की कैरियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर आगे बढ़ना चाहिए।तभी सफलता निश्चित रूप से कदम चूमेगी।और तभी हम सब देश और समाज के विकास में अपना अमूल्य योगदान कर सकते हैं। कार्यक्रम में 2021 -2022 हाई स्कूल एवं इंटर के मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्राधानाचार्य नौशाद अहमद खान ने किया।

मंत्री एके शर्मा ने नगर विकास विभाग के कुछ कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया

प्रखर डेस्क। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली सरकार के 100 दिवस के कार्यकाल के दरम्यान हुए कार्यों में से नगर विकास विभाग के कुछ कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उन्होंने लखनऊ स्मार्ट सिटी के ऑफिस में स्थापित डिजिटल कंट्रोल एवं कमांड सेंटर तथा 1533 की सेवा का निरीक्षण किया तथा बेहतरीन सेवा के लिए उन्होंने कर्मचारियों एवं अधिकारियों की सराहना की। इस अवसर पर विभाग के सचिव एवं नगर आयुक्त तथा अधिकारियों के अलावा लखनऊ की मेयर श्रीमती भाटिया भी उपस्थित रहीं। इस केंद्र की सेवा के साथ साथ उन्होंने 'चलो स्वस्थ' तथा हेल्थ ATM का भी कार्य देखा। तद्पश्चात उन्होंने महानगर स्थित राजकीय कॉलोनी में 100 दिन के अन्दर नवसृजित पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया एवं कहा कि छोटे बच्चों के खेलने के लिए एवं आमजन को टहलने के यह पार्क लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। नगर निकायों में ऐसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त बेहतरीन पार्कों का निर्माण करके लखनऊ की सुंदरता को और भव्य करना है। उसके बाद उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विभागीय बैठक की जिसमें उन्होंने जनता की समस्याओं का टेक्नोलॉजी के माध्यम से त्वरित गति से निदान करने के लिए कार्य करने का निर्देश दिया।

चल कवरियां बोल बंम नारा के साथ शुरु हुआ सावन माह का पहला दिन

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा तहसील क्षेत्र में पहले दिन सावन माह लगते ही भक्तों ने कांवर लेकर बोल बम के लिए तैयार हो चुके हैं हरगांव से हर मोहल्ले से बोल बम के नारे के साथ शिव के धाम जा रहे हैं एक महीने तक चलेगा। कांवरिया यात्रा के लिए शासन के तरफ से पूरा इंतजाम किया गया हैं। शिव के धाम यात्रा करने के लिए बोल बम का नारा बोलते हुए महिलाएं पुरुष बच्चे भी जा रहे हैं लोग जा रहे हैं अपनी मन्नत पूरा करने के लिए । जिसकी मन्नत पूरा हो जाती है लोग जाते हैं सालों साल जाते हैं । दो साल से करोना काल में नहीं जा पा रहे थे । उत्तर प्रदेश सरकार ने आदेश कर दिया है जाने के लिए बोल बम के लिए लोग जा रहे हैं ओम नमः शिवा का बोलते हुए बोल बम का नारा गूंज रहा हैं पूरे ब्रह्मांड में।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

प्रखर सैदपुर गाजीपुर। बीते रात फोरलेन हाइवे पर बाइक दुर्घटना में दो की की मौत हो गयी।सूचना पर पहुंची सैदपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दिया।पुलिस द्वारा सूचना प्राप्त होते ही दोनों मृतकों के परिजन रात्रि मे ही सैदपुर पंहुच गये।एक मृतक के भाई की तहरीर पर कानूनी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात सैदपुर हाईवे पर शीतला मंदिर के पास जिला मुख्यालय की तरफ जा रहे एक बाइक पर सवार मुसाफिर यादव आयु 47 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामधारी यादव निवासी करैला सहेडी. थाना नंदगंज तथा संजय बिंद आयु 25 वर्ष पुत्र जोगेंद्र निवासी सौरी थाना शादियाबाद के बाइक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें तत्काल 108 नं०की एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर लाया गया।परीक्षणोपरांत डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास मिले मोबाइल के माध्यम से घटना की सूचना परिजनों को दी गई ।मृतक संजय बिन्द अभी अविवाहित था परिवार में माता,पिता, दादा तथा दो भाई भी है।थाने पहुंचे मुसाफिर यादव के भाई बेचन यादव की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करते हुए शव जिला मुख्यालय पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

मारपीट कर हत्या के दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर गाजीपुर। खानपुर थाना पुलिस ने क्षेत्र के अनौनी में गत आठ जुलाई को हुई मारपीट की घटना के उपरातं मृत्यु होने के मुकदमें के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ थाने पर दर्ज मुकदमें के वांछित अभियुक्तों की तलाश के लिए क्षेत्र में भ्रमणशील थे। उसी दौरान मुखबीर की सूचना पर आर.एल.पब्लिक स्कूल लाढा (अनौनी) के पास से समय करीब नौ बजे मुकदमें के वांछित अभियुक्तों जयनन्द चौहान पुत्र बुद्धिराम निवासी ग्राम लाढ़ा अनौनी थाना खानपुर जपनद गाजीपुर तथा सन्तोष शर्मा पुत्र नथुनी शर्मा निवासी ग्राम सुरतापुर थाना मोहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तो के विरुद्ध विधिक कानुनी कार्यवाही करते हुए उन्हें पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय के सुपुर्द कर दिया गया।

रक्तदान से बढ़ती है शरीर की रक्त प्रतिरोधक क्षमता- डॉ. अभिषेक रावत

प्रखर शाहगंज(जौनपुर)। नगर के जौनपुर रोड अक्खनसराय स्थित अनीता हास्पिटल एण्ड ब्लड बैंक में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर समाजसेवी अनिल कुमार गौतम सहित दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया। हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ अभिषेक रावत ने रक्तदान के बारे में फैली भ्रांतियों को गलत बताया और लोगों से निडर होकर रक्तदान करने की अपील की। अनीता हॉस्पिटल ब्लड बैंक के डायरेक्टर डॉ अभिषेक रावत ने बताया कि रक्तदान को लेकर लोगों में फैली भ्रांतियां गलत हैं। देश मे आए दिन सैकड़ों लोगों की जानें समय पर रक्त नहीं मिलने के कारण चली जाती हैं। ऐसे में समाज को अपने कर्तव्यों के लिए जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि नियमित रक्तदान से शरीर में आयरन की मात्रा और रक्तचाप संतुलित रहता है। कैंसर और हार्ट अटैक का खतरा बहुत कम हो जाता है, नई रक्त कोशिकाएं बनती हैं और लीवर स्वस्थ रहता है, मोटापा पर असर पड़ता है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि शरीर की रक्त प्रतिरोधक क्षमता लगातार बढ़ती है। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रुप से रोहित कुमार, राहुल गौतम, अजय गौतम उपस्थिति रहे।

गड्ढे में डूबने से 8 वर्षीय बालक की मृत्यु परिजनों में कोहराम मचा

प्रखर मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को देर शाम लगभग 7:00 बजे एक बच्चे की डूबने से दुखद मृत्यु हो गई जिससे परिजनों में कोहराम मच गया प्राप्त जानकारी के अनुसार हलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरबसा गहरवार मे 8 वर्षीय बालक शिवदत्त पुत्र राकेश कुमार हरिजन अपने घ? से करीब 200 मीटर दूर पानी के गड्ढे मे गिर जाने से डूब गया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया और इस घटना की जानकारी इलाकाई पुलिस को भी हुई जिस पर उक्त सूचना पर क्षेत्राधिकारी लालगंज व थानाध्यक्ष हलिया मय पुलिस बल मौके पर पहुंच कर बालक के शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की गई।

भूस्खलन की चपेट में आने से जौनपुर निवासी पिता-पुत्री की मुंबई में मौत

प्रखर केराकत जौनपुर। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बेहड़ा के रग्घूपुर गांव निवासी अमित सिंह पुत्र जितेंद्र के परिवार पर मुंबई में भारी वर्षा ने कहर ढा दिया। भारी बारिश में पहाड़ का बड़ा हिस्सा दरककर मकान पर गिर गया। मलबे में दबकर पिता-पुत्री की मौत हो गई। जबकि गम्भीर रूप से घायल पत्नी और बेटे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जहां वह जीवन और मौत से जूझ रहे हैं। इस घटना की सूचना गांव पहुंची तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। पूरे गांव में शोक छा गया है। बेहड़ा ग्राम के रग्घुपुर पुरवा निवासी पेशे से ड्राइवर जितेंद्र सिंह के तीन बेटों में सबसे छोटा अमित सिंह महाराष्ट्र के पालघर भोईदा पाड़ा बसई के एक चाल में सपरिवार रह रहते थे। अमित बिजली मैकेनिक का काम करके परिवार की आजीविका चलाते थे। महाराष्ट्र में इन दिनों लगातार बरसात हो रही है। बुधवार की भोर में भारी बारिश के कारण उनके रिहायशी मकान के पीछे की पहाड़ी से पत्थर का बड़ा टुकड़ा दरककर मकान के ऊपर गिर गया। जिससे मकान में सो रहे 35 वर्षीय अमित सिंह पुत्र जितेंद्र सिंह तथा 14 वर्षीया रोशनी सिंह पुत्री अमित सिंह की मलवे में दबकर मौके पर ही मौत हो गई। मकान में सो रही अमित की 33 वर्षीय पत्नी वंदना सिंह और 10 वर्षीय पुत्र ओम सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। पड़ोसियों ने दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों के अनुसार उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी पालघर में एक दूसरे इलाके में रह रहे जितेंद्र सिंह के बड़े बेटे रिंकू सिंह ने फोन से पिता को दिया। घटना की जानकारी तेजी से गांव में फैल गई। गुरुपूर्णिमा का उत्सव मातम में बदल गया। सुबह से ही जितेंद्र कर घर सांत्वना देने के लिए लोगों का तांता लगा हुआ है। व्यवहार कुशल अमित तथा होनहार किशोरी रोशनी के चले जाने से घर क्या पास पड़ोस के लोग रह रहकर फफक जा रहे है। मृतक अमित की माता उर्मिला व दादी वंशराजी बेहोश है। तो ड्राइवरी करके बच्चों को पाल पोषकर पढ़ा लिखाकर जब आराम पूरे करने के दिन देखने थे तो जवान बेटा चला गया।

एसपी व सीओ सिटी से मिला राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रतिनिधि मंडल

प्रखर गाजीपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद गाजीपुर का शीर्ष प्रतिनिधिमंडल नवागत पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्रे , व सी ओ सिटी गौरव कुमार सिंह से शिष्टाचार मुलाकात कर जनपद में स्वागत किया। गाजीपुर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश जनपद शाखा गाजीपुर का एक शीर्ष प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष, अम्बिका दूबे के नेतृत्व में मिलकर शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया साथ ही उनके यशस्वी जीवन की कामना करते हुए जनपद को अपराधमुक्त कराने हेतु उनके अत्यंत अल्प कार्यकाल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए अपराधियों माफियाओ पर की जा रही कार्यवाही की सराहना की। शिष्ट मण्डल में परिषद के जिलामंत्री ओम प्रकाश यादव,उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह,जिलामंत्री जितेंद्र यादव,ग्राम बिकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष बैजनाथ तिवारी, डिप्लोमा इंजजियर्स महासंघ के जनपद सचिव इ0 सुरेंद्र प्रताप,चंदन वर्मा,ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला मंत्री पवन पाण्डेय,बन रक्षक संघ के अध्यक्ष उपेंद्र तिवारी बबलू,सिंचाई संघ के मंडल अध्यक्ष सुबास सिंह,राजकीय आई टी आई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष संदीप यादव,मंत्री यशोधरा बसंत गजघटे,अनिल यादव बोरिंग टेक्नीशियन संघ के जिलामंत्री प्रवीण कुशवाहा,कमलेश यादव, सहित विभिन्न कर्मचारी शिक्षक संगठनों के शीर्ष पदाधिकारी उपस्थित रहे। जनपद के शीर्ष पुलिस अधिकारी द्वारा शिष्ट मण्डल के न्यायपूर्ण संघर्ष में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

नगर के शिव मंदिर शाखा पर मनाया गया गुरुपूर्णिमा उत्सव

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव दिन बुधवार 13 जुलाई शाम 7 बजे, शिव मंदिर शाखा के काली माता मंदिर पियरवा पोखरा पर मनाया गया। जिसमें मुख्य वक्ता दुर्गेश जी विभाग प्रचार प्रमुख विंध्याचल विभाग के द्वारा दर्जनों स्वयंसेवको को बौद्धिक दिए। कहा कि सभी नगर कार्यकारिणी के स्वयंसेवक प्रतिदिन शाखा लगाए और अधिक से अधिक लोगों को स्वयंसेवक बंधुओ को जोड़ा जाएगा। इस शुभ अवसर पर नगर कार्यवाह नगर अखिलेश कुमार, सह नगर कार्यवाह आशु पाण्डेय, पूर्व नगर कार्यवाह विवेक कुमार, नगर प्रचार प्रमुख विकास अग्रहरि, कमलेश केशरी, श्यामलाल, संजय सिंह, विजय कक्कड़, आशीष कुमार सहित नगर कार्यकारिणी एवं अन्य संघ सेवक उपस्थित रहे।

तपती धरती और तपते वातावरण को शांत करने के लिए इंद्रदेव को किया गया प्रसन्न

प्रखर मिजार्पुर। समूचे देश में मानसून आने के बाद भी उत्तर प्रदेश के आसपास इलाकों व मिजार्पुर जनपद में काफी समय से बारिश ना होने के कारण खेती किसानी पर जहां एक और संकट गहराता जा रहा है, वहीं पेड़ पौधे पशु पक्षी जीव अभी तक तपती

गर्मी और तेज धूप से आहत हैं । धरती धधक रही है। हवाएं शुष्क हैं और आम आदमी सावन के इस मौसम में जलता तड़पता नजर आ रहा है। इस समस्या का समाधान करने के लिए मिजार्पुर व सेवा समिति व अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा स्थानीय संकट मोचन मंदिर पर इंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए हवन यज्ञ पूजन किया गया, जिसमें यह प्रार्थना की गई कि मिजार्पुर जनपद में भी बारिश हो और तपती धरती शांत हो। वन्यजीव पेड़ पौधे व इंसान सभी इस सावन का आनंद उठा पाए और इस चिलचिलाती धूप से मुक्ति पाएं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मिजार्पुर सेवा समिति के संयोजक दिलीप सिंह गहरवार एडवोकेट मिजार्पुर सेवा समिति के अध्यक्ष व संरक्षक सुनील कुमार पांडे एडवोकेट जयप्रकाश सेठ संजय कुमार गुप्ता आचार्य जय प्रकाश पांडे सुशील कुमार पांडे विनीत कुमार दुबे संजय कुमार ओझा एडवोकेट राजमणि दुबे एडवोकेट प्रिंस सिंह पटेल एडवोकेट राम राज जयसवाल संदीप सिंह राज कुमार उपाध्याय रमाकांत सिंह एडवोकेट शिव नारायण तिवारी छोटेलाल तिवारी रवेश विश्वकर्मा त्रिभुवन सिंह अभी सैकड़ों लोगों ने बारिश होने के लिए हवन करके ईश्वर से प्रार्थना किया पूजा एवं हवन का कार्यक्रम आचार्य अखिल भारतीय ब्राह्मण कल्याण संस्थान पुरोहित प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पंडित जय प्रकाश पांडे ने संपन्न कराया।

गोरखपुर जनता दरबार में अधिकारियों पर भड़के सीएम योगी, पूछा- निचले स्तर पर क्यों नहीं हो रहा समस्याओं का समाधान

प्रखर गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से फिर पूछा है कि थाना और तहसील स्तर पर लोगों की समस्याओं का समाधान क्यों नहीं हो रहा है। गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर में गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आए फरियादियों की भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि निचले स्तर पर समस्याओं का समाधान त्वरित गति से हो रहा होता तो लोगों इतनी दूर चलकर आने का कष्ट क्यों उठाना पड़ता। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जन समस्याओं के निराकरण में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 100 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को उनका समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा की समस्याएं थाना व तहसील स्तर पर ही निस्तारित कर दी जाए। इस में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता दर्शन में करीब एक हजार लोग वहां पहुंचे थे। समय की व्यस्तता के कारण मुख्यमंत्री 100 लोगों से मिले। शेष 900 लोगों से अधिकारियों में आवेदन पत्र प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में जनता दर्शन में अधिकारियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि निचले स्तर पर समस्याओं का समाधान न होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारी बक्शे नहीं जाएंगे

अधिकारियों से कहा, समय से करें समस्याओं का निस्तारण- गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 100 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को उनका समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा की समस्याएं थाना व तहसील स्तर पर ही निस्तारित कर दी जाए। इस में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता दर्शन में करीब एक हजार लोग वहां पहुंचे थे। समय की व्यस्तता के कारण मुख्यमंत्री 100 लोगों से मिले। शेष 900 लोगों से अधिकारियों में आवेदन पत्र प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण का भरोसा दिलाया।

एक-एक फरियादी के पास गए मुख्यमंत्री- मुख्यमंत्री एक-एक फरियादी के पास गए। उनकी समस्याएं पूछी और ज्ञापन लेकर संबंधित अधिकारियों को देते हुए समय से निस्तारण कराने का निर्देश दिया। ज्यादातर मामले जमीन विवाद से संबंधित थे। लोगों का कहना था न थाने पर सुनवाई हो रही है न तहसील पर। इस पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि छोटी इकाइयों पर समस्याओं का निस्तारण हो जाने से लोगों को यहां नहीं आना पड़ता। यहां लोग आ रहे हैं, इसका मतलब थाना और तहसील स्तर पर समस्याओं का निस्तारण नहीं हो रहा है। उन्होंने डीएम वह एसएसपी को निर्देशित किया जनता की समस्याओं को गंभीरता से लें। उसे थाना व तहसील स्तर पर ही निस्तारित कराएं। इस अवसर पर मंडलायुक्त रवि कुमार एनजी, डीएम कृष्णा करुणेश, एसएसपी गौरव ग्रोवर समेत अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

गायों का खिलाया गुड़ चना- इसके पहले मुख्यमंत्री ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। फिर अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थली पर गए। वहां पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात गोशाला में जाकर गायों को गुड़ व चना खिलाया। बगल के कक्ष में जाकर नंदी को भी दुलारते हुए गुड़ खिलाया। साथ ही अपने श्वान कालू व गुल्लू को भी दुलारा।

छत की कुंडी से लटकता मिला विवाहिता का शव

प्रखर गाजीपुर। गहमर कोतवाली क्षेत्र के स्थानीय गांव के पांडेय टोला में बुधवार की देर शाम एक गर्भवती विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में छत की कुंडी से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मायके वालों ने दहेज हत्या की तहरीर दी। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। जानकारी के अनुसार गहमर के पांडेय टोला निवासी रामजी पांडेय के पुत्र नवीन पांडेय की शादी करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के महेंद गांव निवासी हृदयनारायण की पुत्री अनीता से चार वर्ष पूर्व हुयी थी। बुधवार की देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में अनीता का शव कमरा के छत की कुंडी से लटकता मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में ले लिया। जानकारी होने पर मायके के लोग भी पहुंच गए। लोगों ने बताया कि मृतका अनीता सात माह की गर्भवती भी थी। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रामलीला संस्कृति को बढ़ावा देगा अयोध्या शोध संस्थान एवं संस्कृति विभाग

अयोध्या शोध संस्थान एवं संस्कृति विभाग प्रदेश भर में रामायण कल्चर की मैपिंग करा रहा, भदोही में अभिलेखीकरण हेतु अनुबंधित कलाकार डा. अन्जू भारती को मिली जिम्मेदारी

प्रखर भदोही। उत्तर प्रदेश में रामलीला संस्कृति को संरक्षित करने के लिए अयोध्या शोध संस्थान एवं संस्कृति विभाग लखनऊ रामायण कल्चर की मैपिंग करा रहा है। पुरे प्रदेश में रामलीला और लोककलाओं से जुड़े लोककलाकारों की खोज की जा रही है। ऐसी कालाओं को संरक्षित कर संस्कृति विभाग उसे बढ़ावा देगा।

पूर्वांचल के भदोही जनपद के लिए अभिलेखीकरण हेतु अनुबंधित कलाकार डा. अन्जू भारती ने गाँवों में जाकर रामलीला कलाकारों से मिलकर विषयगत बात कर रहीं हैं।उन्होंने बताया कि जनपद भदोही के लिए मुझे यह जिम्मेदारी मिली है। रामलीला कलाकारों की खोज एवं अभिलेखीकरण का कार्य किया जा रहा है जिसका उद्देश्य कला एवं संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करना है।

भारती ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा "सांस्कृतिक प्रतिभा खोज" का आयोजन सभी जनपदों में किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी सांस्कृतिक विधाओं यथा

रामलीला, रासलीला,लोकगायन, लोकनृत्य, लोकवादन, आदिवासी नृत्य, आल्हा गायन, लोकनाट्य, भजन एवम् कीर्तन, ललित कला आदि के प्रतिभावान कलाकारों की भी खोज कर रहा है।

जनपद भदोही में अभिलेखीकरण हेतु अनुबंधित कलाकार डा. अन्जू भारती ने गाँवों में जाकर रामलीला कलाकारों से मिलीं कर उनकी समस्याओं और उनके पेशे में आने वाली दिक्कतो से भी रूबरू हो रहीं हैं। उन्होंने बताया कि भदोही सांस्कृतिक कल्चर में अच्छा काम किया है। यहाँ कई जगह की रामलीलाएं काफी चर्चित हैं। अच्छे अभिनय करने वाले भी कलाकार हैं। उन्होंने रामायण कल्चर की मैपिंग में अधिक से अधिक रामलीला और अन्य लोक कलाकारों से सम्बंधित संस्थाओं से जुड़ने की बात कही है।

उन्होंने बताया कि कलाकारों को अपना आवेदन, निर्धारित प्रारूप में करना होगा, जो जिला सूचना कार्यालय, भदोही या संस्कृति विभाग, उ0प्र0 की वेबसाइट upculture.up.nic.in पर भी प्राप्त किया जा सकता है। उक्त आवेदन जिला सूचना कार्यालय, भदोही में जमा किये जा सकेंगे। आयोजन में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को ई-डायरेक्ट्री में पंजीकृत किया जायेगा तथा क्यू आर बेस्ड पहचान-पत्र भी उपलब्ध कराया जायेगा। इच्छुक कलाकार सप्ताह के अंदर प्रत्येक दशा में अपना आवेदन-पत्र निर्धारित प्रारूप में भरकर सम्बन्धित कार्यालय में जमा कर दें। उक्त तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

विद्युत कटौती से किसान हलकान, जिम्मेदार है मौन

प्रखर केराकत जौनपुर। किसानों के बेहतरी व उनके आय को दुगना करने के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक करोड़ों रुपए विद्युत विभाग पर खर्च किया जा रहा है।सरकार का प्रयास है कि किसानों के लिए सिंचाई के अनुकूल परिस्थिति बने रहें पर कुछ जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सरकार के इस प्रयास पर पानी फिरता दिख रहा है।क्योंकि धान की रोपाई का समय हो गया है।इस वक्त किसानों के खेतों के लिए काफी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। पर शासन द्वारा किसानों को 5-7 घंटे भी बिजली मुहैया नहीं कराई जा रही है। केराकत क्षेत्र के लगभग सभी ग्रामीण क्षेत्रों का यही हाल है। दिशापुर(बजरंगनगर) फीडर,खडहर डगरा,नईबजार फीडर,अमिहित,सेनापुर की स्थिति तो और ही दयनीय है इस फीडरों पर हजारों छोटे बड़े किसान निर्भर है।अकेले बजरंगनगर दिशापुर फीडर से 64 गांव जुड़े है जिससे काफी किसान प्रभावित होतें है वही ब्रहामनपुर फीडर के 78 ग्राम जिनमे किसानों की काफी संख्या निर्भित है।इन फीडरों नें विद्युत के न आने के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।इन फीडरों से विधुत दिया तो जा रहा है पर किसान को पम्प से खेत मे पानी पहुचने के पहले ही विधुत कट जा रही है।इससे खेंतों में भरपूर पानी तो छोड़िए पानी ही पहुच नही पा रहा है।सरकुलर के बावजूद बिजली नियमित रूप से न देने वाले कर्मचारी, अधिकारी या बड़े बड़े वादे करके जनता को भूलने वाले जनप्रतिनिधि का ध्यान कब किसान की तरफ आयेगी यह बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

लेखपाल कर रहे मनमानी, गांव की अधिकृत सड़कों पर करवा रहे कब्जा, नाली (अब सड़क) को कुएं में बताया

प्रखर तरवां वाराणसी। बताते चलें कि आजमगढ़ जिले के मेहनगर तहसील अंतर्गत ग्राम कोटा में आम लोगों को अपने खेत जाने के लिए या बाजार जाने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों के मुताबिक गांव में जो सदियों से सड़कें थीं,जिसके द्वारा ट्रैक्टर, ट्राली, हल इत्यादि ले जाना ले आना होता था।जिसे अब राजस्व विभाग के लेखपाल अजय के मिलीभगत के द्वारा पूर्वी छोर और पश्चिमी छोर की सड़क नापने में कुछ गड़बड़ी का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों ने बताया कि हम लोगों ने रास्ते को नापी के द्वारा खाली करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया तो लेखपाल साहब अपने सहयोगी के साथ गांव में पधारे। और जिस दिन उन्होंने नापी की उस दिन ग्रामीणों से बताया कि दोनों सड़कों को प्रतिबंधित कर लिया गया है जो अवैध है, साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से यह भी कहा कि मौके पर मार बाधित पाया गया है जिसकी हम रिपोर्ट लगाएंगे और इसे खाली करवाने का प्रयास भी करेंगे।कुछ दिनों बाद जब जनसुनवाई पर रिपोर्ट देखी गई तो उसमें इन्होंने मोती रकम खाकर यह प्रदर्शित किया था की मार्ग कहीं बाधित नहीं है, जबकि जमीनी हकीकत ऐसी कुछ भी नहीं है।इसी प्रकार नंदलाल मौर्य के द्वारा नाली खाली करने का आदेश ऊपर के अधिकारियों से लेना पड़ा ,तो वहां भी लेखपाल साहब आए और नाली जो सरकारी है जिससे वर्तमान में लोगों का आना जाना होता है ,उसे चिन्हित करने का प्रयास किया,लेकिन हैरानी तो तब हो गई जब नवागत लेखपाल जी ने नाली कुएं में मिला दिया! जो अब रास्ता था उसे लेखपाल साहब ने कुएं में बता दिया अब लोग भी यह कह रहे हैं की रही जिसको कहीं जाना है वह पहले इस सड़क(नाली) के मध्यम से आए और कुएं में कूद जाए फिर पटल लोक से होते हुए अपने खेतों को तरफ या बाजार की तरफ जाएगा। ग्रामीणों ने लेखपाल साहब पर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि नापी सही से नहीं गई तो हम मुख्यमंत्री जी के पास इस सूचना को पहुंचाने का प्रयास करेंगे,और उनसे यह भी अवगत कराया जाएगा की पैसे खाकर लेखपाल साहब मस्त हैं और ग्रामीण त्रस्त हैं, आवागमन बाधित है।अतः महोदय से पुनः निवेदन है कि सड़कों को खाली करवाने का कष्ट करें, उन पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटवाने का भी कष्ट करें।

जैन समाज का तीर्थराज कहा जाने वाला सम्मेदशिखर के संरक्षण, संवर्धन एवं तीर्थ के विकास हेतु 13 जुलाई को ऐतिहासिक फैसला लिया गया

प्रखर मधुबन पारसनाथ। आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जैन समाज के सबसे प्रमुख तीर्थ स्थल के विकास का विशेष उपहार दिया। गुरु पूर्णिमा के पवित्र, पावन प्रसंग पर अंतर्मना गुरुदेव के आशीर्वाद व सानिध्य में जैन समाज के सबसे महानतीर्थ शास्वत तीर्थ शिखर जी के संरक्षण व विकास के लिए दिगम्बर और श्वेताम्बर जैन समाज के मध्य ऐतिहासिक समझौता हुआ ' दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी और जैन श्वेताम्बर सोसाइटी के अध्यक्ष एवं पदाधिकारयों की उपस्थिति में सभी आवश्यक निर्णय लिए गये ' अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के आशीर्वाद व प्रेरणा से दोनों ही कमिटीयों ने वर्षो

से लंबित अपने सभी कानूनी विवादों कों वापस लेने पर सहमति प्रदान कर भविष्य में प्रेम मैत्री, सद्भाव,समन्वय के साथ तीर्थ के संरक्षण व विकास के लिए कदम से कदम मिलाकर साथ कार्य करने का संकल्प लिया ' साधना महोदधी अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज, जो की सिंहनीस्किड़त व्रत की 557 दिन की अखण्ड मोन व्रत साधना में शिखर की स्वर्ण भद्र टोंक पर साधना रत है ' शिखर जी जैन धर्म का सबसे प्रमुख तीर्थ है । इस फैसले से जैन तीर्थयात्रियों और तीर्थाटन को बहुत बल मिलेगा।

बीटेक चाय वाला के नाम से मशहूर,18 लोगों को दे रहा है रोजगार

प्रखर चंदवक जौनपुर। सोशल मीडिया देश में एक ऐसा माध्यम बन चुका है जिससे लोग रातों रात करोड़पति बन देश में सुर्खियां बटोर रहे हैं एक ऐसा ही तड़का चाय वाला वीडियो आज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोगो की पहली पसंद बनी हुई है लोगो की भीड़ दुकान पर पहुंच चाय का आनंद लेते देखा जा रहा है। बता दे कि चंदवक थाना अंतर्गत गोलौनी गांव निवासी मोहित सोनकर उम्र 23 वर्ष तीन भाई बहनों ने सबसे बड़ा है हाईस्कूल, इंटरमीडिएट की पढ़ाई वाराणसी से पूरी करने के बाद यूपीटीयू के माध्यम से बीटेक के पहली ही लिस्ट में नाम आया और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से मैकेलिकल से बीटेक कर वाराणसी के एक कंपनी में 20 हजार रुपए पर नौकरी करने लगा मगर सुरू से ही मोहित के मन में नौकरी करने वाला नही बल्कि नौकरी देने वाले की दृढ़ इच्छा ने एक ही माह में नौकरी छोड़ घर वापस लौट आया। काफी विचार विमर्श करने बाद मोहित ने चाय बेचने का मन बनाया तो घर वालो ने डाट फटकार लगाना शुरू कर दिया।मगर परिवार के लाख विरोध के बाद भी मोहित ने अपने कदमों को पीछे हटने के बजाय अपने लक्ष्य को पूरा करने के जुट गया। कोरोना काल में महज ढाई लाख के लागत से वाराणसी आजमगढ़ के खुज्जी मोड़ पर तड़का चाय नाम की दुकान खोलकर चाय बेचना शुरू किया। चाय की दुकान पर अनेकों प्रकार के कला के निर्मित गुलहडो को देख लोगो की भीड़ इकट्ठी होने लगी।धीरे धीरे लोगो की पहली पसंद तड़का व जानलेवा चाय बन गई चाय पीने के लिये गोरखपुर,आजमगढ़ समेत अन्य जिलों के लोगो की पहली पसंद बन गई।मोहित ने बताया कि नौकरी करने वालो की कद्र नहीं होती है नौकरी देने वालो की कद्र होती है इसीलिए मैंने नौकरी छोड़ बिजनस को अपना लक्ष्य माना। जिस समय चाय की दुकान खोली तो कुछ दिनों तक अजीब लगा मगर अपने लक्ष्य को देखते हुए मैंने हार नही मानी आज मेरी दुकान पर 10 रुपए से लेकर 120 रुपए तक की चाय मिलती है उन्होंने बताया की रोजाना दो हजार कप चाय बेच लेते है।दूसरी शाखा चंदवक बाजार में खोला गया है दोनो दुकान में मिलाकर कुल 18 लोगो को रोजगार दिया गया है मेरा लक्ष्य है कि प्रदेश के हर जिले में तड़का चाय की शाखा खोलने की है जिससे 200 लोगो को रोजगार मिल सके।मुझे धीरूभाई अंबानी की तरह नौकरी देने वाला बनना है।

खननकर्ताओं के विस्फोट से पशु पालक के पशु की मौत

प्रखर अहरौरा,मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के चिरैया पहाड़ पर खनन कत्ताओं के विस्फोट से पशुपालक की गर्भवती भैंस की मौत हो गई पशुपालक ने दी थाने में तहरीर बताया जाता है कि अहरौरा खनन क्षेत्र के चिरैया पहाड़ स्थित खनन क्षेत्र में सप्ताह भर पहले मीरापुर गांव निवासी रमा आशीष यादव अपनी मवेशियों को खनन क्षेत्र में चरा रहा था इसी बीच खनन कताओं द्वारा पत्थर तोड़ने के लिए पहाड़ियों पर विस्फोट कर दिया विस्फोट से उड़े पत्थर का भारी भरकम टुकड़ा कुछ दूरी पर चर रहे मवेशियों के ऊपर जा गिरा जिससे रामअशीष की भैंस घायल हो गई पशु पालक ने शिकायत पत्थर व्यवसाइयों से की लेकिन किसी ने नही सुना एक सप्ताह तक बेजुबान की पशुपालक उपचार करता रहा लेकिन दो दिन पहले पशु के पेट मे पल रहे भ्रूण की मौत हो गई जिस पर पशुपालक ने पशुचिकित्सक को बुलाकर उसके पेट मे मृत भ्रूण की सफाई कराई इसके बाद वह अपने पशु को नही बचा पाया बुधवार को पशु की भी मौत हो गई।

प्राथमिक विद्यालय कोटा में ऑपरेशन कायाकल्प की उड़ रही धज्जियां, प्रधान की लापरवाही से पांच कमरों में अब तक नहीं लगे टाइल्स

प्रखर तरवां आजमगढ़। जिले में बेसिक शिक्षा विभाग से कुल 3250 परिषदीय विद्यालय हैं। जिसमें प्राथमिक 2267 व जूनियर 983 विद्यालय हैं। इन विद्यालयों में 334171 बच्चों का नामांकन है। यह बच्चे जिस स्कूल में पढ़ाई करते हैं वहां के भवनों की स्थिति इतनी खराब है कि वहां बच्चे आने से डरते हैं। स्कूलों की छत भी टपकती है और फर्श भी खराब हो गए हैं। अब ऑपरेशन कायाकल्प में स्कूलों को शामिल किए जाने से भवनों के जीर्णोद्धार की उम्मीद जगी है। प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों को संवारने के लिए पंचायतों के बजट से ऑपरेशन कायाकल्प कर रहा है। इससे जिले कई विद्यालयों में कार्य हुए लेकिन बहुतायत में अभी बाकी है। कायाकल्प योजना के तहत समस्त विद्यालयों में सितंबर माह तक कार्य पूरा कराने का आदेश है। कार्य में तेजी जाले के लिए ही कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिससे हर दिन कार्य की समीक्षा की जा सके। इसी में से एक विद्यालय शिक्षा क्षेत्र तरवां अंतर्गत ग्राम कोटा में स्थित है , इस विद्यालय की भी दशा इन्हीं में से एक है।जी हां अध्यापकों की माने तो ऑपरेशन

कायाकल्प के तहत पांच कमरों में टाइल्स लगाने का प्रस्ताव पास है किंतु ग्राम प्रधान की लापरवाही के कारण अभी तक एक भी कमरे चहारदीवारी का कायाकल्प नहीं हुआ है। हैरानी की बात तो यह है कि कंट्रोल रूम भी जिले पर बनाए गए हैं। लेकिन अभी तक इसे पूरा करने का समय प्रधान पति को नहीं मिली! विद्यालय की स्थिति यह है कि जहां विद्यालय का नाम अंकित है उसे भी आप सही से नहीं देख पाएंगे शायद कई साल पहले की साफ सफाई और लिखाई की गई है। विद्यालय सुबह साढ़े सात बजे से संचालित हो रहा है प्रधानाध्यापक ने बताया कि हम सभी लोग इस समय डीबीटी के फॉर्म को भरने में लगे हुए हैं।बरसात का मौसम कायाकल्प विद्यालय का कब होगा यह सोचनीय विषय है।

बच्चों को बेहतर तालीम देकर बढ़ाएं अपने समाज का नाम : मौलाना हसन अकबर

प्रखर जौनपुर। जिले के तेजतर्रार पत्रकार तामीर हसन शीबू के बड़े भाई आदिल ताज ताजवर की मजलिस शहर के पोस्तीखाना ख़्वाजादोस्त स्थित इमाम बाड़ा मीर सखावत हुसैन में बीतीरात हुई। जिसमें समाज के सभी प्रबुद्ध वर्ग के लोगों की उपस्थिति काफी अच्छी खासी रही है। मजलिस में सोजखानी गौहर अली जैदी और उनके साथियों ने किया, वही पेशखानी को अंजाम दिया अख्तर अब्बास और कैफी रन्नावी ने। बाद खत्म पेशखानी पूर्वांचल के मशहूर मौलाना हसन अकबर रन्नावी सचिव आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि आज के समय में सबसे पहले अपने बच्चों को बेहतर तालीम देने की जरूरत है। अपने समाज के बेटे, बेटियां जब उच्च तकनीकी की टेक्निकल शिक्षा हासिल करेंगे, तो इससे अपने

समाज, देश और प्रदेश का नाम रोशन होगा। मौलाना ने कहा कि तालीम एक ऐसी चीज है, जिसे ना कोई कभी चुरा सकता है, और ना ही उसका कोई भी हुकूमत बंटवारा कर सकती है। लिहाजा अपने खुद के सभी दुख दर्द को भूलकर समाज के गरीब, जरूरतमंद , असहाय बच्चों को हाईटेक शिक्षा देने के लिए लोगों को आगे आना चाहिये। आज के बदलते हालात में मोबाइल के बढ़ते चलन पर बेहद ही अफसोस जाहिर करते हुए मौलाना हसन अकबर ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि अभिभावक अपने परिवार के छोटे-छोटे बच्चों, बेटियों के हाथों में मोबाइल दे देते हैं । जिसका गलत उपयोग करने से स्वास्थ्य और समाज में प्रभाव पड़ता है। मौलाना ने कहा कि मोबाइल का इस्तेमाल तालीम हासिल करने, देश दुनिया से जुड़ी तमाम जानकारियां और जनरल नॉलेज बढ़ाने के लिए किया जाय तो वह बेहतर होगा। मौलाना ने कौम के लोगो से अपील की है कि आने वाली 18 तारीख को ज्यादा से ज्यादा तादाद में ईद ए गदीर बनाए और नए लिबास जरूर पहने बाद मजलिस मौलाना ने हजरत अब्बास के मसायब जैसे ही पढ़ना शुरू किया तो वहां मौजूद लोगों की आंखों से आंसू आ गया और पूरा माहौल गमगीन हो गया। मजलिस खत्म होने के बाद अंजुमन जाफरिया रजी.ताड़तला ने नौहा मातम किया तथा उपस्थित लोगों के बीच तबर्रुक वितरित किया गया। समाजसेवी आदिल ताज ताजवर की मजलिस में समाज के सभी प्रबुद्ध वर्ग और तमाम नामचीन लोगों की उपस्थिति बेहद ही महत्वपूर्ण रही। मजलिस के अंत में युवा पत्रकार तामीर हसन शीबू ने आए हुए लोगों के प्रति आभार जताया।

आईजीएल द्वारा किये गए निवेश के लिए जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त गोरखपुर द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया सम्मानित

प्रखर गोरखपुर। इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ जी के कुशल मार्गदर्शन में गोरखपुर इकाई में 125 करोड़ से अधिक निवेश करते हुए कम समय मे अनाज आधारित आसवनी का निर्माण कर पूर्वांचल के गौरवमयी इतिहास में एक और नया अध्याय जोड़ दिया, जनपद गोरखपुर में आद्योगिक इकाइयों द्वारा किये जा रहे निवेश और रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व बढ़ोतरी को और आगे ले जाने के क्रम में आज जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त श्री रवि कुमार जी ने सभी इकाइयों के नेतृत्वकर्ता को ससम्मान आमंत्रित किया था आईजीएल के बिजनेस हेड श्री एस के शुक्ल को अपने जिला कार्यालय में आमंत्रित किया था,श्री शुक्ल दिल्ली में होने के कारण उक्त अवसर पर न पहुंच पाने की स्थिति में आईजीएल के प्रबंधक प्रशासन डॉ सुनील कुमार मिश्रा को उक्त स्मृति को प्राप्त करने के लिए दिशानिर्देश दिए थे।अपने बिजनेस हेड के निर्देश पर आज दिन में 11 बजे जिला उद्योग के उपायुक्त कार्यालय में पहुंच कर डॉ सुनील कुमार मिश्रा एव वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मा नन्द सिंह ने संयुक्त रूप से स्मृति चिन्ह के साथ मुख्यमंत्री द्वारा संदर्भित प्रशस्ति पत्र स्वीकार कर श्री रवि कुमार जी व मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार जताते हुए आईजीएल के बिजनेस हेड श्री एस के शुक्ल के नेतृत्व में शासन व प्रशासन के साथ मिलकर औद्योगिक क्षेत्र में निरन्तर नवोन्मेषी दिशा में कार्य करते हुए नए नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए जनकल्याण के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गम्भीरता दिखाई।उक्त अवसर पर चेम्बर के अभूतपूर्व अध्यक्ष व संस्थापक अध्यक्ष श्री एस के अग्रवाल की गौरममयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाया।

संक्षिप्त खबरें

अधिवक्ता को हत्या की आशंका चोलापुर थाने में दर्ज कराया मुकदमा

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के हथियर गांव निवासी अधिवक्ता नीरज यादव ने बुधवार को थाने में अपनी हत्या होने की आशंका जताई।अधिवक्ता नीरज यादव के अनुसार रोज की भांति वह बुधवार सुबह 10:00 बजे अपने घर से कटहल गंज मार्ग होते हुए कचहरी जा रहे थे। तभी बीच में अचानक कुछ नकाबपोश बदमाश बाइक रोककर उन्हें जान से मारने की धमकी और गाली गलौज करने लगे। अधिवक्ता नीरज यादव ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। और तत्काल चोलापुर थाने पर पहुंचकर अपनी बात बताई और लिखित तहरीर दी।हथियर गांव के निवासी धनंजय यादव के ऊपर हत्या करने की आशंका जताई और मुकदमा दर्ज कराया।

पीड़ित के घर पहुंच शिक्षक संघ ने परिवार को बंधाया ढाढ़स

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के पचवर गांव में बीते दिनों शिक्षिका के भाई के असामयिक मृत्यु होने पर प्राथमिक शिक्षक संघ पंजीकृत 1160, केराकत ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष शिव बचन यादव अपने कार्यकारिणी साथियों के साथ गुरुवार की सुबह उनके पैतृक आवास पर पहुंच परिवार से मिल शोक संवेदना व्यक्त की।इस दौरान उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में पूरा प्राथमिक शिक्षक संघ शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है।परिवार को हर संभव मदद की जायेगी।शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम मिलन यादव, मंत्री धर्मेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष अमित चौरसिया, संयुक्त मंत्री विनय कुमार मिश्र, सूरज, योगेश, जितेंद्र, आशीष आदि लोग रहे।

आबकारी विभाग ने चलाया कच्ची शराब के खिलाफ अभियान

प्रखर गोरखपुर। जिलाधिकारी के आदेशानुसार, जिला आबकारी अधिकारी गोरखपुर के नेतृत्व में आज दिनांक 14-07-22 को आबकारी निरीक्षक सेक्टर- 01, क्षेत्र- 4 चौरी- चौरा हृदय राम चौधरी, क्षेत्र- 02 मिथलेश कुमार क्षेत्र- 03 बासगांव ज्ञान प्रताप सिंह एवं नव प्रशिक्षु आबकारी निरीक्षकों द्वारा थाना -राजघाट के अन्तर्गत अमुरतानी में दबिश की कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान लगभग 70 लीटर कच्ची शराब की बरामदगी की गई। जहां 25 भट्टीयो को तोड़ कर लगभग 400 किलो ग्राम लहन नष्ट किया गया।

राष्ट्रीय समता पार्टी संस्थापक शशि प्रताप सिंह ने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के ऊपर साधा निशाना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राष्ट्रीय समता पार्टी संस्थापक शशि प्रताप सिंह ने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के ऊपर साधा निशाना` शशि प्रताप सिंह ने बताया की वह 17 जुलाई को कार्यकर्ता संवाद का आयोजन करेंगे जिसमें पार्टी में जुड़ने के लिये कार्यकताओं को कोई जबरदस्ती नहीं की जाएगी जो भी कार्यकर्ता अपनी स्वेच्छा से पार्टी में जुड़ेंगे उनको पार्टी में स्वागत व सम्मान किया जाएगा` राजकुमार गुप्ता ने कहा कि 17 जुलाई को कार्यकर्ता संवाद किया जाएगा जिसमे राजभर प्रजापति समाज के लोग को शामिल कराया जाएगा। पत्रकार वार्ता में शशिप्रताप सिंह,राजकुमार गुप्ता संतोष प्रजापति, बिनोद जी, सोनू लाल सहित इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चन्दौली पुलिस ने देसी तथा अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

प्रखर चंदौली। जिला के इलिया थाना अंतर्गत पतेरी तिराहा व करवंदिया मोड़ के समीप पुलिस ने कुल 73 सीसी अवैध शराब के साथ बुधवार की देर शाम दो अलग-अलग स्थानों से दो तस्करों को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ़्तार किया है। आपको बता दें कि इलिया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि चकिया इलिया मार्ग पर पतेरी मोड़ के समीप एक तस्कर झोले में शराब लेकर बिहार जाने की फिराक में है। जिस पर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तस्कर अजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर झोले में 45 सीसी ब्लू लाइन अवैध देसी शराब पाई गई। वहीं लेवा इलिया मार्ग पर करवंदिया मोड़ के समीप मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 28 पाउच अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गोविंद कुमार को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर अजयकुमार तथा गोविन्द कुमार दोनों पश्चिम टोला थाना चांद के भभुआ (बिहार) के निवासी है। दोनों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि तस्करों तथा अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान जारी रहेगा, पकड़े जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अखिलेश सोनकर, कांस्टेबल रमेश यादव, उपनिरीक्षक जयसिंह तथा कांस्टेबल कमला यादव रहे।

बिजली की लो वोल्टेज की समस्या से आजीज होकर ग्रामवासियों में आक्रोश किया प्रदर्शन

प्रखर गोरखपुर। जनपद के सहजनवां तहसील अंतर्गत नगर पंचायत सहजनवा के वार्ड नं.6 सहिजना में बिजली की लचर आपूर्ति के खिलाफ ग्रामीणों ने दर्जनों की संख्या में रोड पर आकर प्रदर्शन किया ग्रामीणों का कहना है कि हमारे यहां 2 महीने से विद्युत व्यवस्था लचर चल रही है बार-बार शिकायत करने के बाद भी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता है लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है जिससे कारण आक्रोशित ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन कर आपूर्ति में सुधार करने की मांग की है साथ ही चेतावनी भी दी कि जल्द विद्युत व्यवस्था ठीक नहीं की गई तो हम लोग भारी संख्या में एकत्रित होकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की होगी प्रदर्शन करने वालों में सहिजना निवासी सुरेश चंद्र रविंद्र कुमार चंद्रशेखर संदीप यादव धीरज गुप्ता राजेंद्र यादव समेत आदि लोग मौजूद थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं